दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का 'डीएनए' जनविरोधी है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

6 कितना सफल होगा नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा?

7 बांग्लादेश में हुई गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए, बंटेंगे तो कटेंगे : आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

पटरी पर रखे सीमेंट के 'ब्लॉक' से टकराई वंदे भारत, कोई नुकसान नहीं

जयपुर/भाषा। राजस्थान के पाली जिले में अज्ञात बदमाशों ने ट्रेन की पटरी पर सीमेंट का 'ब्लॉक' रख दिया जो अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत ट्रेन से टकरा गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, इस हादसे में कोई नुकसान नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना पिछले शुक्रवार को हुई जब पटरी पर रखा सीमेंट का 'ब्लॉक' वंदे भारत ट्रेन के कैटल गार्ड से टकराया। इसके बाद ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रेन रोक दी। सुमेरपुर थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात सुमेरपुर थाने के जवाई और बिरोलिया के बीच हुई। इस घटना के संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि फुटपाथ बनाने में इस्तेमाल होने वाले सीमेंट के ब्लॉक के टुकड़े ट्रैक पर मिले हैं।

पेटीएम के सीईओ शर्मा को ईएसओपी आवंटन पर सेबी ने नोटिस भेजा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पेटीएम ब्रांड का संचालन करने वाली वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा को दिए गए कर्मचारी स्टॉक विकल्पों पर नोटिस जारी किया है। पेटीएम ने सोमवार को शेयर बाजार को दिए गए जवाब में कहा कि यह नोटिस कोई नया घटनाक्रम नहीं है और वह इस बारे में बाजार नियामक के साथ संपर्क में है। पेटीएम के वित्त वर्ष 2023-24 के वार्षिक परिणामों के मुताबिक, कंपनी ने 2021-22 में शर्मा को 2.1 करोड़ कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईएसओपी) जारी किए थे।

सूडान में भारी बारिश के बाद टूटा बांध, कई लोग लापता

काहिरा/एपी। सूडान के 'रेड सी' राज्य के पूर्वी इलाके में भारी बारिश के कारण एक बांध टूट गया, जिससे आसपास के इलाके और घरों में पानी भर गया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया के मुताबिक इस घटना के बाद से दर्जनों लोग लापता हैं। रविवार को एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि अरबात बांध टूट गया है और फंसे हुए लोगों की मदद के लिए क्षेत्र में संसाधन तैनात कर दिए गए हैं। बयान में कहा गया है कि बांध टूटने से आई बाढ़ में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है, लेकिन यह नहीं बताया गया कि कितने लोग लापता हैं। हालांकि, एक स्थानीय अधिकारी ने सूडानी समाचार वेबसाइट अल-तगीर को बताया कि उनका मानना है कि कम से कम 60 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लापता हैं।

सूर्यास्त 27-08-2024 6:22 बजे | सूर्योदय 28-08-2024 5:57 बजे

BSE	NSE
81,698.11	25,010.60
(+611.90)	(+187.45)

सोना	चांदी
7,382 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाओ कहीं भी...

आ जम करके बैठे हो क्यों,
यह वक्त साथ में बहने का।
किसने हक दे डाला तुमको,
सब कुछ ले कुछ भी कहने का।
जिनको लगता है गलत किया,
पुरखों ने निर्णय रहने का।
वे अब भी हैं पूरे स्वतंत्र,
है नहीं उन्हें कुछ सहने का।।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा

भारत में रहना होगा तो राम, कृष्ण की जय कहना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ देश हिंदू और मुसलमानों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन उसे ऐसे लोगों की जरूरत है जो ईश्वर, उसकी रचना, ब्रह्मांड को समझें।

अशोक नगर (मध्य प्रदेश)/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि जो लोग भारत में रहना चाहते हैं, उन्हें हिंदू भगवान राम और कृष्ण की जय कहनी होगी। यादव ने जोर देकर कहा कि नागरिक अपने-अपने धर्मों का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें देशभक्त होना चाहिए क्योंकि वे तभी बचे रह सकते हैं जब भारत एक देश के रूप में बचा रहेगा।

यादव अशोक नगर जिले के चंदेरी शहर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा नेता ने कहा कि देश हिंदू और मुसलमानों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन उसे ऐसे लोगों की जरूरत है जो ईश्वर, उसकी रचना, ब्रह्मांड को समझें। उन्होंने बताया कि रहीम और रसखान (हिंदू देवताओं की प्रशंसा करने वाले प्रसिद्ध मध्ययुगीन मुस्लिम कवि) का जन्म यहीं हुआ था।

यादव ने कहा ...लेकिन सावधान रहें, जो यहां का खाता है, कहीं और का बजाता है.... यह नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, भारत में रहना होगा तो राम, कृष्ण की जय कहना होगा। उनके बाहर कुछ भी नहीं है। हम अपने देश में सभी का सम्मान करना चाहते हैं, हम किसी का अपमान नहीं करते। यादव ने कहा कि चंदेरी के हैंडलूम पार्क में हिंदू और मुसलमान मिलकर काम कर रहे हैं और साड़ियां बुन रहे हैं। उन्होंने कहा, हम 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' (सभी खुश रहें और बीमारियों से मुक्त रहें) के दर्शन में विश्वास करते हैं। हम सभी के लिए पवित्रता की भावना रखते हैं।

यादव ने कहा, आपकी पूजा पद्धति चाहे जो भी हो, आप किसी भी धर्म को मानते हों, आप कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन सबसे पहले आपको देशभक्त होना चाहिए। देशभक्ति के बिना कुछ नहीं हो सकता। देश बचेगा तो हम सब बचेंगे।

जन्माष्टमी

सोमवार को जन्माष्टमी के अवसर पर नई दिल्ली में लक्ष्मी नारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) में भगवान राधा-कृष्ण की वेशभूषा में प्रदर्शन करते कलाकार।

सिंधुदुर्ग में शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा ढही

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को ढह गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। अधिकारी ने बताया कि प्रतिमा मालवन स्थित राजकोट किले में अपराह्न करीब एक बजे ढही। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ प्रतिमा के ढहने के वास्तविक कारण का पता लगाएंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिले में बीते दो-तीन दिनों में भारी बारिश हुई है और तेज हवाएं चली हैं। पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे और क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने नौसेना दिवस के अवसर पर पिछले साल चार दिसंबर को प्रतिमा का अनावरण किया था। वह किले में आयोजित समारोहों में भी शामिल हुए थे।

भविष्य के लिए नई पीढ़ी तैयार करेगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/एजेन्सी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने दुनिया की जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए नई पीढ़ी तैयार करने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता दी है।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ओडिशा के अंगुल जिले के बनमालीपुर ब्लॉक में ओडिशा मॉडल स्कूल के नए भवन और छात्रावास का उद्घाटन करते हुए प्रधान ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक और शहरी क्षेत्र में दो स्कूल पीएम स्कूल के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा में लगभग 800 स्कूलों को पीएम स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। यह स्कूल अथमलिक उपखंड में मूल परंपरा को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा। प्रधान ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क क्षेत्र में 94.83 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिससे छात्रों और आम जनता को लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जिला कलेक्टर को जिले के सभी विभागों को एक साथ लाने और अथमलिक के सभी गांवों में सिंचाई और खेती की गतिविधियों को बढ़ाने की योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अथमलिक उपमंडल को आदर्श उपमंडल बनाने के लिए हमें सामूहिक जिम्मेदारी लेनी होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और रोजगार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रधान ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कल्याणकारी सरकार और ओडिशा में मोहन चरण माझी के नेतृत्व में लोकप्रिय सरकार बनी है।

भारत-सिंगापुर ने द्विपक्षीय वार्ता में 'छह स्तंभों' पर संबंधों को बढ़ाने का विचार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। भारत और सिंगापुर के वरिष्ठ मंत्रियों ने यहां दूसरे बहु-मंत्रालयी गोलमेज सम्मेलन में सार्थक चर्चा की और इस बात पर विचार किया कि दोनों देश डिजिटल, कौशल विकास, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा, संपर्क और उन्नत विनिर्माण में द्विपक्षीय सहयोग को कैसे बढ़ा सकते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में भाग लिया।

भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बैठक के दौरान नेताओं ने उभरते और भविष्य के क्षेत्रों में भारत और सिंगापुर के बीच सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर जोर दिया।

गोलमेज सम्मेलन में, सीतारमण के नेतृत्व में चारों मंत्रियों के साथ सिंगापुर में उनके समकक्ष भी शामिल हुए और सितंबर 2022 में नई दिल्ली में आयोजित पहले आईएसएमआर की प्रगति की समीक्षा की। आईएसएमआर का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले महीने सिंगापुर की संभावित यात्रा से पहले यहां किया गया है।

पोस्ट के अनुसार, दोनों पक्षों ने आईएसएमआर के तहत पहचाने गए छह स्तंभों पर विचार-विमर्श किया, जिनमें डिजिटलीकरण, कौशल विकास, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा, तथा उन्नत विनिर्माण और संपर्क शामिल हैं।

इसमें कहा गया, नेताओं ने भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मनाने की योजनाओं के साथ-साथ आसियान और जी20 घटनाक्रमों सहित क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग पर भी चर्चा की।

अमेरिका और भारत के बीच सेतु की तरह हैं प्रवासी भारतीय : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के टेनेसी राज्य में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और समाज, विज्ञान एवं अर्थव्यवस्था में उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच एक सेतु की तरह बताया।

सिंह, अमेरिका और भारत के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने अपने दौरे के आखिरी दिन रविवार को मेम्फिस में राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की।

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सिंह ने भारतीय समुदाय को भारत और अमेरिका के बीच एक सेतु की तरह बताया, जो घनिष्ठ संबंधों और सद्भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने पिछले दशक में भारत की विकास गाथा और एक आशाजनक भविष्य के साथ अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रक्षा मंत्री ने महात्मा गांधी के सम्मान में एक प्रदर्शनी का आयोजन करने और साल 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय के पास दो 'गांधी मार्ग' सड़क संकेतक लगाने में भारतीय समुदाय के प्रयासों की भी सराहना की।

भाजपा ने कंगना को दी, ना बोलने की हिदायत

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी सांसद कंगना राणावत के किसान आंदोलन के बारे में दिये गये बयान से असहमति जताते हुए पर कड़ी नाराज़गी प्रकट की है और सुश्री राणावत को हिदायत दी है कि उन्हें पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने की अनुमति नहीं है इसलिए भविष्य में वह ऐसा कुछ नहीं बोलें। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व में उन्हें आज यह हिदायत दी गयी। पार्टी ने एक बयान में कहा, भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना राणावत द्वारा किसान आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में दिया गया बयान पार्टी का मत नहीं है। भाजपा सुश्री राणावत के बयान से असहमति व्यक्त करती है। पार्टी की ओर से पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने के लिए सुश्री कंगना राणावत को न तो अनुमति है और न ही वह अधिकृत हैं।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया, तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस की सेना ने सोमवार को यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया, जिसमें निशाने पर संभवत: ऊर्जा आधारभूत ढांचा था। इन हमलों में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। यह हमला रविवार मध्य रात्रि के आसपास शुरू हुआ और सोमवार भोर तक जारी था। यह पिछले कुछ सप्ताह में सबसे बड़ा हमला प्रतीत होता है।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, यूक्रेन के पूर्वी, उत्तरी, दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों की ओर रूसी ड्रोन के कई समूह बढ़ रहे थे, जिसके बाद कई क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल भी दागी गईं।

कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने बताया कि राजधानी कीव में विस्फोटों की आवाज सुनी गईं और हमले की वजह से शहर में बिजली और जल आपूर्ति बाधित हुई है। यूक्रेन के पश्चिमी शहर लुत्स्क के मेयर इगोर पोलिशचुक ने कहा कि एक बहुमंजिला आवासीय इमारत और एक अज्ञात बुनियादी संरचना को हमले में नुकसान पहुंचा है और एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

हैरिस एक आपदा हैं, लोकतंत्र और अमेरिका को बचाएंगे ट्रम्प : मस्क

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिका के प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क ने सोमवार को कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस अगर राष्ट्रपति चुनी जाती हैं, तो यह अमेरिका और उसके लोकतंत्र के लिए आपदा साबित होगी। मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स कहा, ट्रंप लोकतंत्र और अमेरिका को बचाएंगे। मेरे शब्दों पर ध्यान दें। सुश्री कमला/हैरिस एक आपदा साबित होंगी।

गौरतलब है कि मस्क ने कई मौकों पर सुश्री हैरिस की आलोचना की है। पिछले हफ़्ते उन्होंने एक्स पर कहा था कि अगर सुश्री हैरिस खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी पर प्रतिबंध लगाने के अपने चुनावी वादे को पूरा करती हैं, तो अमेरिकियों को बड़े पैमाने पर भुखमरी का सामना करना पड़ेगा और अमेरिका का अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 05 नवंबर को होंगे। मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार हैं और ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बंदूकधारियों के दो अलग-अलग हमलों में 37 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को दो अलग-अलग हमलों में हथियारबंद हमलावरों ने कम से कम 37 लोगों की हत्या कर दी।

सरकार और सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात चरमपंथी समूहों से जुड़े उग्रवादियों ने चार हमले किए अबतक 37 लोगों के मारे गए हैं।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' ने एक बयान में कहा कि हमलों के बाद शुरू किए गए अभियानों में 21 आतंकवादी भी मारे गए। इससे पहले, बलूच बंदूकधारियों ने रविवार- सोमवार की दरमियानी रात को बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 37 लोगों की हत्या कर दी थी।

पहली घटना में बलूचिस्तान के मूसाखेल जिले में बंदूकधारियों ने बसों से यात्रियों को उतारकर और उनके पहचान पत्र देखने के बाद पंजाब प्रांत के कम से कम 23 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

मूसाखेल के सहायक आयुक्त नजीब काकर के मुताबिक भारी हथियारों से लैस करीब 10 हमलावारों ने जिले के राराशिम इलाके में अंतर सूबाई राजमार्ग को बाधित कर दिया और कई बसों से यात्रियों को उतार लिया। उन्होंने बताया, ''खबरों के मुताबिक मारे गए लोग पंजाब सूबे से हैं।'' काकर के मुताबिक हमलावरों ने कुछ वाहनों में भी आग लगा दी। मूसाखेल बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से करीब 450 किलोमीटर उत्तर पूर्व अवस्थित है।

बलूचिस्तानी अलगाववादी नियमित रूप से पंजाब प्रांत के लोगों को निशाना बनाते हैं और आरोप लगाते हैं कि प्रांत में आतंकवादियों से लड़ने वाले सशस्त्र बलों में पंजाबियों का दबदबा है।

'जीतो' साउथ लेडीज विंग ने जाना 'स्टोवक्रॉफ्ट' कम्पनी के बारे में, किया फेक्टरी का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज साउथ विंगद्वारा जीतो बिजनेस नेटवर्किंग के अंतर्गत इंडस्ट्रियल विजिट कार्यक्रम के तहत स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड फेक्टरी का दौरा किया।विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को व्यापार के क्षेत्र में सशक्त बनाने एवं आपसी सामंजस्य को स्थापित करने के लिए जीतो लेडीज विंग ने इस प्रकार के अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया है । महामंत्री मोनिका पिरगल ने आभार व्यक्त किया। स्टोव क्राफ्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र गांधी ने सभी महिलाओं का स्वागत किया तथा अपनी सफलता की कहानी सुनाते हुए पूरी फेक्टरी का दौरा करवाया तथा उत्पादन की जानकारी दी। स्टोवक्राफ्ट की डायरेक्टर नेहा गांधी ने सभी महिलाओं को फेक्टरी यात्रा पर आने के लिए धन्यवाद देते हुए बताया कि कम्पनी में 6 हजार कर्मचारी कार्यरत है। 3 यूनिट में मिक्सर ग्राइंडर, कुकर, तवा, गेस स्टोव, इंडक्शन, हीटर, एयर फ्रायर, किचन एप्लायंसेज, गीजर, आयरन, ज्यूसर , कॉफी मेकर, पंखा, चिमनी, बॉटल्स, ओटीजी एवं माइक्रोवेव आदि विभिन्न उत्पादों के निर्माण किया जाता है। कार्यक्रम संयोजिका लता बोहरा ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं सहसंयोजिका वसंती जैन ने धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी, सहमंत्री नीलम ललवानी एवं संगीता पारख ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर बड़ी संख्या में पूर्व पदाधिकारी व सदस्याएं उपस्थित थीं।

उदयकुमार बने सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के पूजा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की नई कार्यकारिणी का प्रथम बैठक परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने किया।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा के अध्यक्ष उदयकुमार होंगे। महिला मंडल द्वारा मंगलवार को बिहार भवन में शाम 6.30 बजे कृष्ण जन्म उत्सव मनाय जाएगा।

संयोजक हरिश्चंद्र झा ने नई कार्यकारिणी समिति को संबोधित किया। बैठक में महिला मंडल अध्यक्षा अमित झा, हीरा झा, डेजी शर्मा, कोषाध्यक्ष मिंटू दुबे, यशवंत सिंह, रामकिंकर सिंह ,जयशंकर मिश्रा, युवा मंडल अध्यक्ष मनोहर साह, प्रवीण उपाध्याय, पवनकुमार, पंकज कुमार, विनय कुमार ,संजय झा आदि उपस्थित थे।

भाजपा किसानों से इतना नफरत क्यों करती है : कांग्रेस नेताओं ने कंगना की टिप्पणी पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। किसान आंदोलन पर विवादास्पद टिप्पणी करने को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत की आलोचना की और पूछा कि भाजपा देश के किसानों के प्रति इतनी ''नफरत'' क्यों पाले हुए है।

कंगना ने हाल में यह कह कर एक विवाद छेड़ दिया था कि यदि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व मजबूत नहीं रहता, तो किसानों के प्रदर्शन ने देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा कर दी होती। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना ने 'एक्स' पर साझा किये गए एक वीडियो में आरोप लगाया कि (अब निरस्त किये जा चुके) तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे और वहां बलात्कार तथा हत्याएं हो रही थीं। हरियाणा में एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा को निशाना बनाया। भाजपा ने भी अभिनेत्री व सांसद कंगना के बयान से असहमति जताते हुए किनारा कर लिया है।

कांग्रेस महासचिव एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कंगना की टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जल्द ठीक हो जाओ कंगना ! आखिर भाजपा के लोगों को देश के अन्नदाता से इतनी नफरत क्यों है? भाजपा ने तो हमेशा हमारे अन्नदाताओं पर झूठ, फरेब, साजिश और अत्याचार किया है। और एक बार फिर हमारे अन्नदाताओं पर भाजपा की सांसद ने अनर्गल आरोप लगाया है।'' सुरजेवाला ने कहा, ''सवाल यह है कि...क्या कंगना ने भाजपा की चुनावी रणनीति के हिसाब से किसानों पर यह घटिया आरोप लगाया है? क्या ये कंगना के ही शब्द हैं या फिर पटकथा किसी और ने लिखी है? यदि नहीं, तो फिर देश के प्रधानमंत्री, हरियाणा के मुख्यमंत्री और तमाम भाजपा सांसद-विधायक इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं?'' इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता सैलजा ने भाजपा की आलोचना करते हुए पूछा कि पार्टी देश के किसानों के प्रति इतनी ''नफरत'' क्यों पाले हुई है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''भाजपा ने हमेशा देश के किसानों को झूठ, छल, षड्यंत्र और अत्याचार का शिकार बनाया है। एक बार फिर भाजपा की एक सांसद ने हमारे किसानों पर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं।''

कांग्रेस सांसद ने यह भी पूछा कि किसानों के खिलाफ कंगना की अपमानजनक टिप्पणी क्या भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा है और उन्होंने जो कुछ कहा उसकी पटकथा क्या किसी और ने लिखी है। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेतृत्व से जवाब मांगा।

कुछ किसान नेताओं ने दावा किया कि कंगना ने अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' को सफल बनाने के लिए ही यह टिप्पणी की है।

श्याम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी की रही धूम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय बन्नरघट्टा रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बाबा श्याम की विशेष झांकी सजाई गई। सोमवार को 8 बजे भजनों की प्रस्तुति के साथ कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भजन प्रवाहक सज्जन दाधीच व मनीष भाटी शेखावाटी ने मधुर भजनों से बाबा श्याम को रिझाया। सुबह से भक्ति रस में पूरा मंदिर प्रांगण श्याम रंग में रंगा रहा।

मात्र पूजा, प्रार्थना और जपमाला से नहीं होगी सुरक्षा : आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वर

श्रीराम सेना के प्रमोद मुतालिक ने जैनाचार्य से लिया मार्गदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आधुनिक युग में तो साधु-संतों को भी आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ समाज, धर्म, राष्ट्र, संस्कृति, संस्कार और मानवता की रक्षा के लिये अपनी साध्वाचार की मर्यादाओं को भी लांघना पड़ता है। जब कोई कार्य सिर्फ उपदेशों से नहीं होता तो उसके लिए स्पष्ट आदेश देने का धर्मशास्त्रों का निर्देश हैं। अगर आदेश से भी वह कार्य न बनें तो उदीरणा कर उस कार्य को संपन्न करवाना पड़ता है, इसलिए हर बात और हर घटना में बार बार आध्यत्म की दुहाई नहीं दी जा सकती। आध्यत्म और व्यवहार, मनुष्य जीवन के दो अलग अलग आयाम हैं। हम आध्यात्मिक उन्नति की कितनी ही बातें करें, व्यवहारिक हकीकतों को नकारा नहीं जा सकता। व्यवहारिक जीवन में अपने अस्तित्व की रक्षा के बिना आध्यात्मिक उन्नति नहीं हो सकती। धर्म, कर्म और पुण्य की बातें आध्यात्मिक जगत में जितनी महत्वपूर्ण हैं, व्यवहारिक जीवन में व्यक्ति का अस्तित्व, परिवार, समाज, संबंध, राष्ट्र आजीविका, सबकी सुरक्षा और सही नीति-रीति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिये सांसारिक रहते हुए पूर्ण आध्यात्मिक जीवन जीना दुष्कर है।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि आज धर्म, समाज और बहू-बेटियां संकट में हैं। चारों ओर दुष्टताओं का बोलबाला हैं। ऐसी स्थिति में मात्र पूजा, प्रार्थना और जपमाला से काम नहीं चलेगा। सरकारें और प्रशासन हमारी रक्षा करेंगे, यह मानकर चलना भी गलतफहमी है। सबसे पहले व्यापक सामाजिक जागरण और मजबूत संगठन की आवश्यकता है। सोमवार को श्रीराम सेना के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक ने धर्मसभा में विशेष रूप से उपस्थित रहकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद लेते हुए हिन्दू व जैन समाज के अनेक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दुश्मन द्वार पर खड़े हैं, उन्हें घर में आने देना हैं या खदेड़ना हैं, यह हमें तय करना होगा। हिंदू व जैन समाज गहरी निद्रा में सोया है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हजारों कन्याओं को लवजिहाद के चंगुल से श्रीराम सेना ने बचाया है। उन्होंने कहा कि मैं जैनाचार्य के निरंतर संपर्क में हूं और बार-बार मार्गदर्शन के लिये आता रहता हूं। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवाडिया, प्रवीण दांतेवाडिया, भंवरलाल लुंकड़ और वसंत राठौड़ ने प्रमोद मुतालिक का सम्मान किया।

आचार्य विजयप्रभाकरसूरी का आगामी चातुर्मास चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिंतामणि पार्श्वनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट महालक्ष्मीलेआउट के ट्रस्टियों ने मुम्बई में चातुर्मासार्थ विराजित नेमीसूरी समुदाय के आचार्यश्री विजयप्रभाकरसूरी के दर्शन कर आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया। आचार्यश्री ने निवेदन स्वीकारते हुए आगामी चातुर्मास महालक्ष्मी लेआउट मंदिर संघ में करने की घोषणा की। घोषणा होते हुए पूरे संघ व उपस्थित जनों में खुशी की लहर दौड़ गई। ट्रस्टी नरेश बंबोरी ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

सुनिश्चित करें कि विवाह के गवाह प्रामाणिक हों, उच्च न्यायालय का आर्य समाज मंदिर को निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में एक युवती और उसके फूफा के बीच हुये विवाहोत्सव पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने आर्य समाज मंदिर से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि जो लोग ऐसे समारोहों के गवाह बनें, वे वास्तविक एवं प्रामाणिक हों। युवती के फूफा ने खुद को गलत तरीके से अविवाहित बताया था ।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मंदिर दोनों पक्षों से कम से कम एक गवाह रखने का प्रयास करेगा, जो या तो रिश्तेदार हो या परिचित हों जो उन्हें उचित समय से जानता हो। वर्तमान मामले में, अदालत ने कहा कि जिस तरह से लड़की के सगे फूफा ने आर्य समाज मंदिर के समक्ष स्वयं को अविवाहित बताया, वह स्पष्ट रूप से कानून के विपरीत है, और यह विवाह अमान्य है। इसमें कहा गया कि मालवीय नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित विवाह समारोह में जोड़े और विवाह संपन्न कराने वाले पुजारी के अलावा कोई भी मौजूद नहीं था। अदालत ने कहा कि इसकी वैधता और पवित्रता पूरी तरह से संदिग्ध है।

अदालत को बताया गया कि आर्य समाज मंदिर वैवाहिक स्थिति के संबंध में पक्षों से हलफनामा तो लेता है, लेकिन आगे कोई सत्यापन नहीं किया जाता। पीठ ने न्यायमूर्ति अमित शर्मा भी शामिल हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, आर्य समाज मंदिर अब से यह सुनिश्चित करेगा कि जब विवाह के प्रयोजन के लिए गवाह आदि पेश किए जाएं तो वे वास्तविक और प्रामाणिक हों, जिनकी स्थिति का उचित रूप से सत्यापन किया जा सके।'' अदालत ने कहा, ''मंदिर दोनों पक्षों अर्थात वर एवं वधू की ओर से कम से कम एक साक्षी को बुलाने का प्रयास करेगा, जो रिश्तेदार हो, और यदि कोई रिश्तेदार नहीं है, तो किसी परिचित को, जो संबंधित पक्षों को उचित अवधि से जानता हो, गवाह बनने की अनुमति दी जाएगी।

जिनका नौकरी के लिए चयन हुआ है, उन्हें कंपनी में शामिल करेंगे: इन्फोसिस सीईओ पारेख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलिल पारेख ने कहा है कि चयनित सभी नए कर्मचारियों को कंपनी में शामिल किया जाएगा, हालांकि तारीखों में कुछ बदलाव किया गया है। इन्फोसिस के शीर्ष अधिकारी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है जिनमें दावा किया गया है कि कंपनी ने 2022 बैच के 2,000 नए इंजीनियरिंग स्नातकों का चयन करने के बाद उन्हें कंपनी में शामिल करने में देरी की है।

पारेख ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' हमने जिन्हें भी 'ऑफर' दिए हैं, वे सभी लोग कंपनी में शामिल होंगे। हमने कुछ तारीखों में बदलाव किया है, लेकिन उसके बाद सभी लोग इन्फोसिस में शामिल होंगे और इसको लेकर कोई बदलाव नहीं है।'' उन्होंने 2,000 नए इंजीनियरिंग स्नातकों को शामिल करने में दो साल से की कथित देरी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। बेंगलूरु मुख्यालय वाली इस सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी के जून, 2024 तक कुल कर्मचारी 3,15,332 थे।

आईटी और आईटीईएस संघ नैसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने हाल ही में 2022-23 भर्ती अभियान के दौरान सिस्टम इंजीनियर और डिजिटल विशेषज्ञ इंजीनियर भूमिकाओं के लिए चयनित 2,000 इंजीनियरिंग स्नातकों को कंपनी में शामिल करने में देरी के लिए इन्फोसिस के खिलाफ श्रम तथा रोजगार मंत्रालय में शिकायत दर्ज की थी।

छत्तीसगढ़ में 25 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में 25 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से पांच पर कुल 28 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की गंगलूर और भैरमगढ़ क्षेत्रीय समितियों में सक्रिय इन 25 नक्सलियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव ने कहा, दोनों महिलाएं शम्बती मडकम (23) और ज्योति पुनेम (27) तथा महेश तेलम माओवादियों की कंपनी नंबर-2 में सक्रिय थीं और प्रत्येक पर आठ लाख रुपए का इनाम था। मडकम 2012 से ही नक्सली आंदोलन में सक्रिय थी और 2020 में सुकमा में मिनपा हमले में कथित तौर पर शामिल थी जिसमें 17 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी।

मनोज बैद बने विजयनगर परिषद के नए अध्यक्ष

बेंगलरु/दक्षिण भारत। शहर के विजयनगर परिषद की बैठक अर्हम भवन में अध्यक्ष ललित सेठिया की अध्यक्षता में हुई, जिसमें परिषद के 70 से अधिक सदस्य उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मत्ति से मनोज बैद को आगामी सत्र 2024-26 के लिए विजयनगर परिषद का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। उपस्थित सभी जनों ने नए अध्यक्ष का सम्मान किया। संचालन मंत्री उत्तम बागरेचा ने किया ।

कॉल, मैसेजिंग ऐप दूरसंचार कंपनियों की तरह नियमों का पालन करें: सीओएआई

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को उम्मीद है कि व्हाट्सएप, गूगल मीट और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप नियमों का बाकी सभी सेवा प्रदाताओं की ही तरह पालन करेंगे।

उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कि ओवर-द-टॉप संचार ऐप को दूरसंचार अधिनियम, 2023 से बाहर करने की मांग करना भ्रामक है क्योंकि विभिन्न गैर-क्षेत्रीय नियमों के दूरसंचार कंपनियों पर भी लागू होने से वे अन्य नियमों के दायरे में आते हैं। सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं।

सीओएआई के महानिदेशक एस पी कोचर ने कहा, ''सीओएआई यह बताना चाहता है कि 'देश की सुरक्षा' अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में, ओटीटी-आधारित संचार सेवाओं सहित सभी संचार सेवा प्रदाताओं को देश के अपेक्षित निर्देशों का पालन करना चाहिए, जैसा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता करते हैं।'' दूरसंचार कंपनियों ने वैध इंटरसेप्शन (कॉल को सुनने की कानूनी मंजूरी) और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी निवेश किया है। इसके बावजूद अनियमित अनुप्रयोग-आधारित संचार सेवाएं इस तंत्र को दरकिनार कर देती हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। कोचर ने कहा, मामला दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत स्पष्ट रूप से कवर की गई संचार सेवाओं की नियामकीय निगरानी से संबंधित है।

हरियाणा में नशे की लत बढ़ी, भाजपा सरकार कार्रवाई करने में विफल: कांग्रेस नेता सैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने सोमवार को कहा कि हरियाणा में युवा नशे की लत के शिकार हो रहे हैं और राज्य के 22 में से 13 जिले इस समस्या से बुरी तरह प्रभावित हैं। सिरसा से सांसद ने यह भी कहा कि पंजाब और राजस्थान की सीमा से लगे हरियाणा के इलाकों में मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के मामले अधिक हैं।

सैलजा ने एक बयान में आरोप लगाया कि हिसार, सिरसा, भिवानी-महेंद्रगढ़, अंबाला और कुरुक्षेत्र प्रभावित हैं और इसी तरह उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे निर्वाचन क्षेत्रों जैसे करनाल, सोनीपत, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी मादक पदार्थ बड़े पैमाने पर बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक समय दूध और दही के लिए प्रसिद्ध हरियाणा की स्थिति अब भयावह हो गई है। उन्होंने कहा, आंकड़े इस स्थिति की पुष्टि करते हैं। राज्य के 22 जिलों में से 13 जिले मादक द्रव्यों के दुरुपयोग से बुरी तरह प्रभावित हैं और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए प्रमुख केंद्र बन गए हैं। सरकार इस मुद्दे पर निष्क्रिय रही, और अगर उन्होंने कार्रवाई की होती, तो मादक पदार्थों के तस्कर इस भूमि पर काम नहीं कर पाते।

सैलजा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पहला कदम राज्य को नशा मुक्त बनाने की दिशा में काम करना होगा। हरियाणा में एक अक्टूबर को चुनाव होने हैं और कांग्रेस की नजर भारतीय जनता पार्टी से सत्ता छीनने पर है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सैलजा ने कहा कि पंजाब को 'उड़ता पंजाब' के नाम से जाना जाता था और अब भाजपा सरकार ने बढ़ते नशे के खतरे के कारण हरियाणा को 'उड़ता हरियाणा' में बदल दिया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार को बार-बार चेताया, लेकिन नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सरकार राहगीरी, सरकारी उत्सव और बाइक सफारी जैसे आयोजनों में व्यस्त रही।

हैदराबाद में साढे आठ करोड़ रुपए की एम्फेटामाइन जब्त

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में पुलिस ने 8.5 किग्रा एम्फेटामाइन मादक पदार्थ जब्त कर इस सिलसिले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत 8.50 करोड़ रुपए आंकी गयी है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि आरोपियों को रविवार को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब मादक पदार्थ बेचने के लिये ले जाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि समाज में नशीली दवाओं का दुरुपयोग और उसकी लत बढ़ती जा रही है।

उत्तराखंड की 4,000 महिलाओं को टाटा समूह अपने संयंत्रों में नौकरी देगा

देहरादून/भाषा। टाटा समूह तमिलनाडु और कर्नाटक स्थित अपने संयंत्रों में उत्तराखंड की 4,000 महिलाओं को नौकरी देगा।

सोमवार को यहां एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, टाटा समूह के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी रंजन बंदोपाध्याय ने राज्य योजना विभाग को इस आशय का एक पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि महिलाओं की भर्ती प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी।

बयान में कहा गया है कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड एनपीएस और एनएटीएस कार्यक्रमों के तहत तमिलनाडु के होसुर और कर्नाटक के कोलार में स्थित अपने संयंत्रों में उत्तराखंड से 4,000 महिला उम्मीदवारों को नियुक्त करेगी। बयान के मुताबिक, 10वीं या 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके लोग एनपीएस कार्यक्रमों के लिए पात्र हैं, जबकि एनएटीएस के लिए आईटीआई डिप्लोमा जरूरी है। चयन के बाद उन्हें शॉप फ्लोर तकनीशियन के तौर पर नियुक्त किया जाएगा। चयनित महिलाओं को निश्चित वेतन के अलावा उन्हें आवास, भोजन, परिवहन और अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी।

इस्कॉन मंदिर में उमड़े हजारों श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस्कॉन बेंगलूरु ने 25 और 26 अगस्त को व्हाइटफील्ड में हरेकृष्ण गिरि, वैकुंठ गिरि और एकी पाउ (कर्नाटक वन जया प्रचार्य संस्थान) में भगवान कृष्ण के दिव्य अवतार का दिन, जन्माष्टमी बहुत धूमधाम और धूमधाम से मनाई। दो दिवसीय जन्माष्टमी उत्सव में अभिषेक सेवा, आरती, छप्पन्ना भोग, पुष्पांजलि सेवा, पालकी सेवा और उयाले सेवा शामिल थी। भगवान कृष्ण को 108 खाद्य पदार्थों का विशेष भोग भी लगाया गया। रंग-बिरंगे फूलों, तोरणों और दीपों से सजाए गए राजाजीनगर इस्कॉन हरेकृष्ण गिरि और वंसतपुरा कावैकुंठ गिरि मंदिरों ने उत्सवपूर्ण भक्ति का माहौल बना दिया। मंदिर की मूर्तियों का बहुत ही अलौकिक श्रृंगार किया गया। रंग बिरगे फूलों से प्रभु का सजाया गया। दूध, दही, घी, शहद और पंचमेवा आदि शुभ द्रव्यों से भव्य अभिषेक करके जन्माष्टमी उत्सव की शुरुआत की गई। बाद में, देवता की आरती की गई और पारंपरिक जन्माष्टमी व्यंजन कृष्ण को अर्पित किए गए। 26 अगस्त को मंदिरों में सभी भक्तों का राधाकृष्ण तिलक लगाकर सभी का स्वागत किया गया। भक्तों द्वारा पुष्पांजलि, माखन मिश्री और अन्य सेवाएं भगवान को अर्पित की गईं।

इस शुभ अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने मंदिर का दौरा किया। केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, श्रीमती शोभा करंदलाजे, कर्नाटक सरकार के मंत्री केएच मुनियप्पा, विधायक सीएन अश्वत्थनारायण, उभरती अभिनेत्री एवं गायिका मेधा विद्याभूषण, लोकप्रिय अभिनेता विजया राघवेंद्र, प्रसिद्ध निर्माता और निर्देशक रॉकलाइन वेंकटेश और श्रीवैष्णव विद्वान दुष्यंत श्रीधर ने इस्कॉन मंदिरों का दौरा किया और भगवान कृष्ण का आशीर्वाद लिया।

बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में निर्माणाधीन 'हरे कृष्ण धाम' मंदिर ने इस जन्माष्टमी के अवसर पर एकी पाउ (कर्नाटक वन जया प्रचार्य संस्थान) में 'आनंद महोत्सव' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया। अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताएं और नृत्य और संगीत कार्यक्रम इस उत्सव का हिस्सा थे। मशहूर गायिका सूर्यगायत्री और मान्या अरोड़ा ने वहां मौजूद दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। सभी अतिथियों ने स्वादिष्ट कृष्णा प्रसाद एवं अन्य सात्विक भोजन का लुत्फ उठाया।इस शुभ अवसर पर, इस्कॉन बेंगलूरु के अध्यक्ष श्री मधुपंडित दास ने कहा, 'यह जन्माष्टमी इस्कॉन बेंगलूरु के रजत उत्सव के कारण विशेष है जो इस वर्ष चल रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों भक्तों ने इस्कॉन मंदिरों का दौरा किया और श्री राधा कृष्णचंद्र, श्री राजाधिराज गोविंदा और अन्य देवताओं के शुभ दर्शन किए। इन दो दिनों में लोगों को आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, विभिन्न भक्ति कार्यक्रमों में भाग लेने, भगवान की सेवा करने, प्रसादम और भगवान के अलौकिक जन्म का जश्न मनाने के लिए एक साथ आने का एक अद्भुत अवसर प्रदान किया।

रजनीकांत और दुरैमुरुगन ने मतभेदों को दूर करने की पहल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सुपरस्टार रजनीकांत की द्रमुक के 'पुराने समय के लोग' की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया देने वाले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ मंत्री दुरैमुरुगन ने सोमवार को मतदभेदों को दूर करने की पहल की और कहा कि वे दोनों हमेशा मित्र बने रहेंगे। रजनीकांत की टिप्पणी का जवाब देते हुए दुरैमुरुगन ने भी कहा था, वह 'पुराने कलाकार' हैं जो युवाओं को अवसर देने से रोक रहे हैं। इस बयान को तूल नहीं देते हुए रजनीकांत ने सोमवार को कहा कि उन्हें दुरैमुरुगन के बयान पर कोई अफसोस नहीं है।

रजनीकांत से जब राज्य के मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ''वह (दुरैमुरुगन) मेरे पुराने मित्र हैं। मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने जो कहा उसके लिए मुझे कोई अफसोस नहीं है। हमारी दोस्ती बनी रहेगी।'' द्रमुक के महासचिव एवं एम के स्टालिन सरकार में जल संसाधन मंत्री दुरैमुरुगन ने रविवार को कहा था, अभिनेता बूढ़े हो गए हैं और उनके दांत टूट गए हैं और वह अपने अंतिम समय में है लेकिन अभिनय करना जारी रखे हुए हैं और युवाओं को अवसर देने से रोक रहे हैं।

मंत्री ने यह टिप्पणी वेल्लोर में तब की जब संवाददाताओं ने रजनीकांत के पूर्व के बयान के बारे में सवाल किया था। अभिनेता ने टिप्पणी की थी कि द्रमुक के वरिष्ठ नेता कक्षा के पुराने छात्रों की तरह हैं जो परीक्षा में रैंक प्राप्त करने के बावजूद कक्षा छोड़ने को तैयार नहीं है। विवाद का पटाक्षेप करने का प्रयास करते हुए दुरैमुरुगन ने यहां सोमवार को संवाददाताओं से कहा, हमें मजाक को आक्रमकता में नहीं बदलना चाहिए। हम सदैव मित्र बने रहेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि अभिनेता की टिप्पणी को सत्तारूढ़ दल में पल रहे असंतोष के संकेत के तौर पर भी लिया जा सकता है।

संगोल्ली को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगाम/गोकाक। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि संगोल्ली रायन्ना के विचारों को कायम रखने के लिए संगोल्ली सैनिक स्कूल शुरू किया गया है और इस क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। गोकाक के काखीगुड्डी गांव में क्रांतिवीर सांगोलिरायण्णा की प्रतिमा का लोकार्पण किया और लोगों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि संगोल्ली रायन्ना कित्तूर में रानी चेन्नम्मा के दरबार में एक सैनिक थे और रानी चेन्नम्मा के दाहिने हाथ थे। संयोगवश, 15 अगस्त को पैदा हुए रायन्ना 26 जनवरी को शहीद हो गए। एक उत्कृष्ट देशभक्त जिसने अंग्रेजों से छुटकारा पाने के लिए लड़ाई लड़ी। एक शक्तिशाली व्यक्ति जिसने कित्तूर का राज्य पाने की कोशिश करने वाले अंग्रेजों को हराया। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक गुरिल्ला सेना बनाई और उन अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी जिन्होंने रानी चेन्नम्मा को गिरफ्तार कर लिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी को देश से प्यार करने वाले संगोल्ली रायन्ना की तरह देशभक्ति विकसित करनी चाहिए। रायन्ना के आदर्शों को कायम रखने के लिए, उनकी जन्मस्थली सांगोली को विकसित करने के साथ-साथ हमने संगोली सैनिक स्कूल शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के भेदभाव को भुलाकर देश से प्यार करने और मानवता की सेवा करने वाले संगोल्ली रायन्ना को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने ही लोगों की साजिश के कारण रायन्ना को अंग्रेजों ने पकड़ लिया। गद्दार हमेशा से मौजूद रहे हैं क्योंकि उन्होंने अंग्रेजों की मदद की थी। उसी प्रकार आज मुझ पर लांछन लगाकर सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा यह साजिश चला रही है, वह भरोसे के लायक नहीं है।

इस मौके पर कार्यक्रम में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, सतीश जारकीहोली, मुख्य सचेतक अशोक पट्टन, कर्नाटक प्रदेश कुरुबा संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सन्नाक्की आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन 15 स्टार्टअप को अनुदान देगा : अध्यक्ष अजय चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) के शासी निकाय के अध्यक्ष अजय चौधरी ने सोमवार को यहां कहा कि एनक्यूएम लगभग 15 स्टार्टअप को धन मुहैया कराएगा और उन्हें आगे बढ़ने और वैश्विक स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

उन्होंने कहा कि कुछ अच्छे उत्पाद विकसित किए गए हैं विशेष रूप से क्रिप्टोग्राफी में, और मिशन विभिन्न सॉफ्टवेयर कंपनियों को क्वांटम में निवेश करने के लिए राजी करने की दिशा में काम कर रहा है। एनक्यूएम के मुताबिक क्वांटम प्रौद्योगिकी के चार अवयव कंप्यूटिंग, संचार, माप और सेंसिंग हैं।

वह 26 से 30 अगस्त तक यहां स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में क्वांटम संचार, मापन और कंप्यूटिंग (क्यूसीएमसी 2024) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर बोल रहे थे।

अजय चौधरी ने कहा, अगले तीन महीनों के भीतर हम 10 से 15 अच्छे स्टार्टअप को अनुदान देंगे। हम चाहते हैं कि वे विकास करके वैश्विक स्तर हासिल करें।

बागलूर में 2020 से आवास 90 प्रतिशत महंगे हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। बेंगलूरु के बागलूर में घरों की कीमतें 2020 के बाद से सबसे अधिक 90 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर में द्वारका एक्सप्रेसवे 79 प्रतिशत मूल्यवृद्धि के साथ चौथे स्थान पर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने पिछले पांच वर्षों अधिकतम नई पेशकश के आधार पर सात प्रमुख शहरों के शीर्ष तीन सूक्ष्म बाजारों में मूल्य रुझानों का विश्लेषण किया है। आंकड़ों के अनुसार, बागलूर में 2019 के अंत और इस साल जून के बीच 90 प्रतिशत की सर्वाधिक मूल्यवृद्धि दर्ज की गई।

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, बागलूर में औसत आवासीय कीमतें 2019 में 4,300 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2024 की पहली छमाही में 8,151 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं।

हैदराबाद का कोकापेट 89 प्रतिशत मूल्यवृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। वहां कीमतें 2019 में 4,750 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2024 की पहली छमाही में 9,000 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। इस अवधि में आवासीय कीमतों में 80 प्रतिशत की वृद्धि के साथ बेंगलूरु का व्हाइटफील्ड तीसरे स्थान पर है। औसत कीमतें 2019 में 4,765 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2024 की पहली छमाही में 8,600 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। एनसीआर का द्वारका एक्सप्रेसवे 79 प्रतिशत मूल्यवृद्धि के साथ चौथे स्थान पर है। यहां औसत कीमतें 2019 के 5,359 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2024 की पहली छमाही में 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। बेंगलूरु आवास बाजार पर रियल एस्टेट निर्माण व विकास कंपनी बीसीडी ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंगद बेदी ने कहा, उत्तरी बेंगलूरु, व्हाइटफील्ड और सरजापुर रोड में आवासीय रियल एस्टेट में पर्याप्त मूल्यवृद्धि की वजह इन सूक्ष्म बाजारों में तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास है।

मलयालम सिनेमा में चार और अभिनेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए

तिरुवनंतपुरम। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में महिलाओं के उत्पीड़न के चौंकाने वाले खुलासों का सामना कर रहे मलयालम फिल्म उद्योग में सोमवार को उस समय और खलबली मच गयी, जब अन्य महिला कलाकार भी यौन उत्पीड़न के आरोपों के साथ सामने आईं। कुछ फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री मीनू मुनीर ने अभिनेता से विधायक बने एम. मुकेश, जयसूर्या, मणियांपिल्ला राजू और इदावेला बाबू के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए। वहीं, एक अन्य प्रसिद्ध अभिनेत्री ने भी एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता पर कई साल पहले दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। फिल्म निर्माता ने आरोपों से इनकार किया है।

मीनू मुनीर ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, मैं मलयालम फिल्म उद्योग में मुकेश, मणियांपिल्ला राजू, इदावेला बाबू, जयसूर्या, चंद्रशेखरन, प्रोडक्शन सहायक नोबल और विचू द्वारा मेरे साथ किए गए शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार की घटनाओं के बारे में (पुलिस को) बयान देने को तैयार हूं। उन्होंने दावा किया, वर्ष 2013 में, एक फिल्म पर काम करते समय मुझे इन व्यक्तियों द्वारा शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था। मणियांपिल्ला राजू को छोड़कर किसी भी अभिनेता ने मुनीर के आरोपों का जवाब नहीं दिया है। इसके अलावा, आज एक जूनियर कलाकार ने अभिनेता बाबूराज पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' (एएमएमए) के पदाधिकारी बाबूराज ने आरोपों को खारिज करते हुए संदेह जताया कि फिल्म उद्योग में निहित स्वार्थ इसके पीछे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह आरोप उन्हें एएमएमए का महासचिव बनने से रोकने का एक प्रयास था। अभिनेत्री द्वारा माकपा के विधायक मुकेश के खिलाफ आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद युवा मोर्चा और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कोल्लम में अभिनेता के आवास की ओर अलग-अलग मार्च निकाले और उनके खिलाफ मामला दर्ज किए जाने तथा उनसे इस्तीफा देने की मांग की। बहरहाल, कोल्लम के विधायक ने अभी इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

केरल सरकार मलयालम फिल्म में यौन उत्पीड़न करने वालों को बचा रही : सतीसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता वी.डी.सतीसन ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की वाम सरकार मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वालों को बचाने की कोशिश कर रही है और इसलिए न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट पर जांच की पहल नहीं कर रही।

राज्य सरकार द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए विशेष टीम गठित किए जाने के एक दिन बाद सतीसन ने सवाल किया कि क्यों जांच टीम में महिला आईपीएस अधिकारी के ऊपर पुरूष अधिकारी तैनात किए गए हैं।

अपने निर्वाचन क्षेत्र उत्तरी परवूर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सतीसन ने कहा, विपक्ष की मांग है कि हेमा समिति के समक्ष बयान देने वाली पीड़िताओं के बयान के आधार पर जांच के लिए वरिष्ठ महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित की जानी चाहिए। लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच के संबंध में जारी विज्ञप्ति में हेमा समिति का उल्लेख तक नहीं किया गया।

राज्य सरकार ने रविवार को महानिरीक्षक (आईजी) सप्रजन कुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम का गठन किया जिनमें चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को शामिल किया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने रुख अपनाया है कि वह उसके द्वारा गठित समिति के समक्ष दिए गए आधिकारिक बयान और सबूतों की जांच नहीं कराएगी।

सतीसन ने कहा, ''सरकार का यह रुख अस्वीकार्य है।'' उन्होंने कहा कि यहां तक अदालत ने सवाल किया है कि हेमा समिति की रिपोर्ट के आधार पर जांच में क्या बाधा है। सतीसन ने कहा, सरकार से जुड़े लोग कह रहे हैं कि अगर पीड़िताएं अपने बयानों पर अडिग रहती हैं तो जांच की जा सकती है। यौन उत्पीड़न के किस मामले में पीड़िताओं से पूछा जाता है कि क्या वे अपने बयानों पर अडिग रहेंगी? सरकार की कोशिश दोषियों को बचाना है।उन्होंने कहा कि पीड़िताओं से दोबारा बयान दर्ज कराने को कहना उन्हें अपमानित करना है।

सतीसन ने राज्य के संस्कृति मंत्री साजी चेरियन की भी मामले को लेकर आलोचना की और आरोप लगाया कि वह शुरुआत से ही अलग राय रख रहे हैं। उन्होंने कहा, रिपोर्ट में छेड़छाड़ कर, दोषियों को बचा और पीड़ितों को अपमानित कर चेरियन ने पद ग्रहण के दौरान ली गई शपथ का गंभीर उल्लंघन किया है और वह मंत्री बने रहने के लायक नहीं है। अगर वह इस्तीफा नहीं देते हैं तो मुख्यमंत्री को उनसे इस्तीफा देने की मांग करनी चाहिए।

सतीसन ने कांग्रेस पार्टी के नेता एवं अभिनेता धर्मजन बोलगट्टी की भी आलोचना की जिन्होंने एक टेलीविजन शो के दौरान कथित तौर पर महिला पत्रकार का अपमान किया था।

उन्होंने कहा, अगर गलती हुई है तो हम मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की तरह बचाव नहीं करेंगे। हमारा रुख है कि हम गलती करने वालों का बचाव नहीं करेंगे।

सोमवार को कोलार में भाजपा जिला कार्यालय में सदस्यता अभियान में अपनी बात रखते हुए चलुवाड़ी नारायण स्वामी ।

प्रियांक खरगे को मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए : चलुवाड़ी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । प्रियांक खरगे का घोटाला भी सामने आ गया है और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवाडी नारायणस्वामी ने मांग की है कि उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

यहां भाजपा कोलार जिला कार्यालय में सोमवार को सदस्यता अभियान-2024 पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

फ्इस बीच उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने बताया कि बुद्ध विहार के निर्माण के लिए सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का गठन किया गया था। ट्रस्ट कोई बिजनेस करने के लिए नहीं है, यह एक धार्मिक संगठन है। इस ट्रस्ट में मल्किार्जुन खरगे, श्रीमती मल्किार्जुन खरगे, राहुल खरगे, राधाकृष्ण खरगे, प्रियांक खरगे और उनके परिवार के सदस्य इस ट्रस्ट में ट्रस्टी है।

इस ट्रस्ट को केआईडीबी के औद्योगिक लेआउट में 5 करोड़ प्रति एकड़ की कीमत से 5 एकड़ जमीन मिली है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र में बाहर से आने वाली कम्पनियों को 10 से 15 करोड़ रुपए प्रति एकड़ जमीन मिल रही है। प्रियांक खरगे मंत्री हैं। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है।

कलबुर्गी में भाई भतीजावाद चलरहा है। यह जानकारी हर जगह फैल रही है। यह स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए उन्होंने मांग की कि उन्हें तुरंत कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

आवंटित भूमि को दोबारा वापस ली जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि इसकी शिकायत राज्यपाल से की जायेगी।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सिद्दरामय्या सरकार के मंत्री वाल्मिकी निगम की तरह खाते में पैसा डालकर मौज कर रहे हैं। इस मौके पर जिला अध्यक्ष डॉ. वेणुगोपाल, पूर्व सांसद एस. मुनीस्वामी, जिला महासचिव व जिले के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

बेंगलूरु। कर्नाटक में कृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को पारंपरिक श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई जा रही है, जहां मंदिरों में विशेष सजावट की गई है और सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का उमड़ना शुरू हो गया। राजाजीनगर के प्रतिष्ठित इस्कॉन मंदिर में भव्य सजावट की गई है। मंदिर में सुबह तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे और मंगलाआरती में अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए। मंदिर में विशेष इसके अलावा, मल्लेश्वरम् के कृष्ण मंदिर, तुलसीतोट्टा स्थित कृष्ण मंदिर, बुलटेम्पल रोड स्थित गोवर्धन मंदिर आदि अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। उडुप्पी के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर में विशेष उत्साह देखा गया। मंदिर में प्रभु का अभिषेक किया गया एवं प्रसाद आदि का वितरण किया गया। राज्य भर में प्रमुख मंदिरों को जन्माष्टमी समारोह के लिए विशेष रूप से सजाया है।

मीनाक्षी अम्मन मंदिर में अभिनेत्री नमिता को हिंदू होने का सबूत पेश करने के लिए कहा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। अभिनेत्री नमिता ने सोमवार को शिकायत की कि यहां प्रख्यात मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर में दर्शन के दौरान उन्हें हिंदू होने का सबूत पेश करने के लिए कहा गया। नमिता ने मंदिर के अधिकारियों के कथित अशिष्ट व्यवहार को लेकर नाराजगी प्रकट की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य कार्यकारिणी की सदस्य नमिता ने आरोप लगाया कि मंदिर के एक अधिकारी ने उन्हें दर्शन करने से रोका और हिंदू होने का सबूत पेश करने के लिए कहा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, उन्होंने मुझसे यह साबित करने के लिए प्रमाण पत्र मांगा कि मैं हिंदू हूं और साथ ही मेरा जाति प्रमाण पत्र भी मांगा। मैंने देश में जितने भी मंदिरों के दर्शन किए, उनमें मुझे ऐसी पीड़ा नहीं झेलनी पड़ी। नमिता ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि वह हिंदू परिवार में जन्मी हैं और उनकी शादी तिरुपति में हुई थी तथा उनके बेटे का नाम भगवान कृष्ण के नाम पर रखा गया था। उन्होंने कहा, ऐसा होने पर उन्होंने अशिष्टता और अहंकार से बात की तथा मेरी जाति व मेरे धर्म को साबित करने के लिए प्रमाण पत्र मांगा।

मंदिर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन्होंने मास्क पहनी हुई नमिता और उनके पति को रोककर पूछा कि क्या वे हिंदू हैं। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने अभिनेत्री को मंदिर की परंपरा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, उनके स्पष्टीकरण के बाद उनके माथे पर कुमकुम लगाया गया और उन्हें देवी मीनाक्षी के दर्शन के लिए मंदिर के अंदर ले जाया गया।

जब इस बारे में पूछा गया तो अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपनी आस्था साबित करने और माथे पर कुमकुम लगाने के बाद ही दर्शन की अनुमति दी गई।

मंदिरों में रही जन्माष्टमी की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को पारंपरिक श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई जा रही है, जहां मंदिरों में विशेष सजावट की गई है और सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का उमड़ना शुरू हो गया। जयपुर के प्रतिष्ठित गोविंद देव जी और गोपीनाथ जी मंदिर की भव्य सजावट की गई है। गोविंद देव जी मंदिर में तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे और सुबह साढ़े चार बजे की मंगला आरती के लिए कतार में लग गए। इसके अलावा, गोपीनाथजी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

पुलिस व प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए कई तरह के इंतजाम किए हैं। शहर के गोविंद देव जी मंदिर, इस्कॉन मंदिर और अक्षय पात्र मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिरों में काफी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना के मद्देनजर जयपुर पुलिस ने मंदिर परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों को 'फेसियल रिकग्निशन' (चेहरे की पहचान) तकनीक से लैस किया है। इस तकनीक का उपयोग करने का उद्देश्य पहले से अपलोड किए गए डेटा के माध्यम से जेबकतरों, वाहन चोरों और अन्य बदमाशों की पहचान करना है।

जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा, इस तकनीक के तहत अपराधियों की तस्वीरें और अन्य विवरण कंप्यूटर प्रणाली में डाले जाते हैं। जब भी ये अपराधी सीसीटीवी की जद में आएंगे तो यह तकनीक तुरंत अपराधी की मौजूदगी के बारे में सतर्क कर देगी।

जोसेफ ने कहा कि निगरानी के लिए इन तीनों प्रमुख मंदिरों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

मंदिर में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की टीमें तैनात की गई हैं। राज्य भर में प्रमुख मंदिरों को जन्माष्टमी समारोह के लिए विशेष रूप से सजाया गया है।

राजस्थान में कई जगह बहुत भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में प्रतापगढ़ जिले में भारी से अति भारी श्रेणी की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज (सोमवार) व कल (मंगलवार) कई जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटे में पश्चिमी राजस्थान में अनेक स्थानों पर तथा पूर्वी राजस्थान में अधिकांश स्थानों पर मेघगर्जन के साथ वर्षा दर्ज की गई।

मौसम केंद्र के अनुसार इस दौरान सबसे अधिक बारिश पीपलखूंट में 260 मिलीमीटर दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार इसके अलावा बांसवाड़ा में 195 मिमी, डूंगरगढ़ के चिकाली में 132 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं, बांसवाड़ा के सलोपट, बागीदोरा, भूंगरा, अरथूना, गढ़ी, सज्ज्नगढ़ व केसरपुरा में इस दौरान 127 से 195 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार इसी तरह चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, पाली, प्रतापगढ़ व राजसमंद जिले में कई जगह भारी बारिश हुई। केंद्र के अनुसार एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से राज्य के दक्षिणी व पूर्वी भागों में आगामी एक-दो दिन भारी से अधिक भारी बारिश होने व कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश की प्रबल संभावना है।

मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी पर श्रीनाथ जी मंदिर में किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर डीग के पूंछरी का लौठा स्थित मुखारविंद मंदिर में सपत्नीक अभिषेक किया और श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। शर्मा ने श्रीनाथजी के मंदिर में फल-फूल अर्पित कर कृष्ण की आरती की तथा प्रदेश की 8 करोड़ जनता की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुदर्शनधारी कृष्ण भगवान ने भगवतगीता के माध्यम से पूरी दुनिया को कर्म एवं धर्म का संदेश दिया है। उनका संदेश पूरी मानव जाति के लिए अमूल्य धरोहर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम (उज्जैन) में शिक्षा ग्रहण की थी। मथुरा से सांदीपनि आश्रम तक जाने वाले मार्ग को राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सरकार संयुक्त रूप से विकसित करेंगी। इस 'श्रीकृष्ण गमन पथ' पर कृष्ण के जीवन काल से जुड़े तथा पौराणिक आस्था के स्थानों को चिन्हित कर उनका विकास किया जाएगा।

इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेष सिंह, सुनौक्षम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री का ग्रामीणों ने आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सांदीपनि आश्रम तक विकसित होगा कृष्ण गमन पथ : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन काल से जुड़े तथा पौराणिक आस्था के स्थानों को चिह्नित कर उनका विकास करने के लिए राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार संयुक्त रुप से मथुरा से सांदीपनि आश्रम तक जाने वाले मार्ग को श्रीकृष्ण गमन पथ के रुप में विकसित करेगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर डीग के पूंछरी का लौठा स्थित मुखारविंद मंदिर एवं श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन के बाद सोमवार को मीडिया से यह बात कही। उन्होंने कहा कि सुदर्शनधारी कृष्ण भगवान ने भगवतगीता के माध्यम से पूरी दुनिया को कर्म एवं धर्म का संदेश दिया है। उनका संदेश पूरी मानव जाति के लिए अमूल्य धरोहर है।

शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम (उज्जैन) में शिक्षा ग्रहण की थी। मथुरा से सांदीपनि आश्रम तक जाने वाले मार्ग को राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सरकार संयुक्त रूप से विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि कृष्ण मथुरा में पैदा हुए और शिक्षा के लिए उज्जैन के सांदीपनि आश्रम गये थे। जिन रास्तों से होकर वे गये उनमें भरतपुर कोटा झालावाड होते हुए उज्जैन पहुंचे थे और मथुरा से सांदीपनि के बीच ये दोनों सरकारें श्रीकृष्ण गमन पथ का निर्माण करेंगी। उन्होंने कहा कि मथुरा से सांदीपनि आश्रम तक रास्ते में पड़ने वाले मंदिर आदि को विकसित किया जायेगा। इस 'श्रीकृष्ण गमन पथ' पर कृष्ण के जीवन काल से जुड़े तथा पौराणिक आस्था के स्थानों को चिह्नित कर उनका विकास किया जाएगा।

राज्यपाल ने कृष्ण की पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को जन्माष्टमी के अवसर पर जोधपुर स्थित कन्हैया गौशाला पहुंचकर वहां भगवान कृष्ण की विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने बाद में गौशाला में गाय का पूजन कर नन्हे बछड़े का दुलार भी किया। उन्होंने गायों को हरा चारा भी खिलाया। गौशाला का अवलोकन करते हुए उन्होंने गौधन संरक्षण के साथ गौ उत्पादों के प्रभावी विपणन की रणनीति पर कार्य करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कन्हैया गौशाला की व्यवस्थाओं, प्रबंधन और गौधन संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने जोधपुर में डेयरी संयंत्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने इस दौरान डेयरी के विभिन्न उत्पादों, दूध वितरण व्यवस्था और अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी लेते हुए पशुपालकों को सभी स्तरों पर लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने वृक्षारोपण भी किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में रैली का आयोजन

भीलवाड़ा । युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रमुख शासन सचिव तथा खेल विभाग राजस्थान सरकार से मिले दिशा निर्देशानुसार हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस 29 अगस्त को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन को सफल बनाने के उदेश्य से जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सोमवार से खेलकुद सप्ताह का शुभारंभ किया गया। जिसके तहत अंबेडकर सर्किल, रेलवे स्टेशन चोराहे से एक रैली का आयोजन किया गया। रैली को अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन रतन लाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी ओमप्रकाश गुर्जर,जिला शिक्षा अधिकारी योगेश चंद्र पारीक,बहादुर भंसाली इत्यादि उपस्थित थे।

बागड़े ने राजकीय जनजाति आश्रम कन्या छात्रावास की बालिकाओं से किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जोधपुर में सोमवार को जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग द्वारा संचालित राजकीय जनजाति आश्रम कन्या छात्रावास की बालिकाओं से संवाद किया। बागड़े ने बालिकाओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें खूब पढ़ने और निरंतर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बालिकाओं से उनकी शिक्षा, उपलब्ध सुविधाओं और शिक्षा बाद निर्धारित लक्ष्य के बारे में जाना। उन्होंने आत्मविश्वास रखते बालिकाओं को हर क्षेत्र में अपने को साबित करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनजातीय वर्ग का कल्याण हम सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। बालिकाओं को विकास के लिए हरसंभव सुविधाएं प्रदान की जाए। इससे पहले उन्होंने राजकीय जनजाति आश्रम कन्या छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया।

उन्होंने बालिकाओं को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें खूब पढ़ने और निरंतर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बालिकाओं से उनकी शिक्षा, उपलब्ध सुविधाओं और शिक्षा बाद निर्धारित लक्ष्य के बारे में जाना। उन्होंने आत्मविश्वास रखते बालिकाओं को हर क्षेत्र में अपने को साबित करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनजातीय वर्ग का कल्याण हम सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। बालिकाओं को विकास के लिए हर संभव सुविधाएं प्रदान की जाए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को जोधपुर प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध मेहरानगढ़ दुर्ग पहुंचे। उन्होंने मेहरानगढ़ के स्थापत्य और शिल्प सौंदर्य की सराहना की। वहां पहुंचने पर उनका केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देस की धुन के साथ स्वागत किया गया। मेहरानगढ़ से उन्होंने जोधपुर के विहंगम दृश्य को निहारा और वहां के संग्रहालय को भी देखा। उन्होने दुर्ग के सौंदर्य को अनुपम बताते हुए कहा कि इतिहास की यह महती सौगात है।

जर्जर मकान गिरने से एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर शहर में रविवार देर रात एक जर्जर मकान के गिरने से उसमें सो रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा चांदपोल पुलिस थाने में हुआ। जर्जर इमारत का एक हिस्सा रात करीब 1.30 बजे गिर गया जिससे कमरे में सो रहे मोहम्मद रहीस (51) मलबे में दब गए।

सूचना मिलने पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान शुरू किया गया और मलबा हटाया गया। पुलिस ने बताया कि रहीस को एसएमएस सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, रहीस की पत्नी और बेटा तीन दिन पहले महाराष्ट्र गए थे और घटना के समय वह घर के उस हिस्से में अकेले थे। उनके भाई और परिवार के अन्य सदस्य इमारत के दूसरे हिस्से में रहते हैं और उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ।

हनुमान मंदिर के बाहर गाय की कटी पूंछ मिलने के मामले में आठ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में रविवार को हनुमान मंदिर के बाहर गाय की कटी पूंछ मिलने की घटना ने शहर में तनाव के परिणामस्वरूप सोमवार को हिन्दू संगठनों की पुलिस प्रशासन के साथ वार्ता हुई, जिसमें पुलिस ने इस मामले में आठ संदिग्धों को डिटेन करने की जानकारी दी। इस सूचना के बाद हिन्दू संगठनों ने अपना धरना समाप्त कर दिया, लेकिन शहर में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वार्ता में बताया कि पुलिस ने मंदिर के आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। इस जांच के आधार पर दो व्यक्तियों के संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के संकेत मिले हैं और कुल आठ लोगों को डिटेन किया गया है। एसपी ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वार्ता के दौरान कलेक्ट्रेट के बाहर हिन्दू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हो गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान, कुछ कार्यकर्ताओं ने गायत्री आश्रम और भवानी नगर के इलाकों में दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया। वार्ता के समाप्त होने के बाद भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी और महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने एकत्र लोगों को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद, गुस्साए युवा कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद करवाने के लिए बस स्टैंड की ओर कूच किया पर पुलिस ने खदेड़ दिया।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने वार्ता के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है और वह ऐसे कृत्यों को सहन नहीं करेगा। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान के बाद उनके खिलाफ यूपी के बुलडोजर मॉडल की तर्ज पर कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक अशोक कोठारी ने भी शहर में शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन युवा कार्यकर्ताओं की भीड़ अविलंब कार्रवाई की मांग पर अड़ी रही। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने पुलिस से आग्रह किया कि दोषियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी की अपील के बावजूद, कुछ कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद कराने की कोशिश की। इस दौरान, कृषि मंडी के सामने पुलिस ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वे नहीं माने, तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

इसके बावजूद, भीड़ ने परशुराम सर्किल पर फिर से जुटने का प्रयास किया। इस दौरान, अजमेर रोड पर कुछ तोड़फोड़ की घटनाओं की भी खबरें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि रविवार को, बडला चौराहा से भवानी नगर के बीच स्थित वीर हनुमान मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गाय की कटी हुई पूंछ मिली, और गाय भी लहूलुहान हालत में पाई गई। इस घटना ने स्थानीय लोगों और हिन्दू संगठनों को उकसाया और उन्होंने मौके पर पहुंचकर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुट गए।

पुलिस प्रशासन ने हिन्दू संगठनों को आश्वासन दिया है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और दोषियों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी राजन दुष्यंत ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद, भीलवाड़ा शहर में तनाव का माहौल है पर स्थिति नियंत्रण में है। जिला कलेक्टर नमित मेहता व पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने सभी पक्षों से शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

तनोट माता ट्रस्ट ने ऑनलाइन पास की सुविधा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत पाकिस्तान की सीमा तक देखने के लिए जाने के लिए इच्छुक सैलानियों के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा संचालित होने वाले तनोट माता ट्रस्ट द्वारा ऑनलाइन पास की सुविधा शुरू की है। इसके लिए तनोट माता ट्रस्ट द्वारा एक वेबसाइट लांच की गई है, इस पास सुविधा के जरिए जैसलमेर बार्डर पर आने वाला सैलानी न केवल अंतराष्ट्रीय सीमा पर जाकर न केवल गर्व की अनुभूति महसूस कर सकेगा ,वरन उसमे देश प्रेम की भावना भी जाग्रत हो सकेगी ,इसके अलावा सैलानी बीएसएफ गर्डिंग के क्रिया कलापों से भी रूबरू हो सकेगा।

बीएसएफ सेक्टर नार्थ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने तनोट क्षेत्र में बार्डर देखने के लिए सैलानियों के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू करने की पुष्टि करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से यहां आने सैलानियों में भारत पाकिस्तान की सीमा पर जाने एवं विख्यात तनोट माता मंदिर में दर्शनों करने की इच्छा को लेकर वहां जाने के लिए उनकी संख्या में भारी उछाल आया है।

इसके संदर्भ में जैसलमेर में बार्डर टुरिज्म को बढ़ावा देने के साथ बीएसफ के सीमाई क्रियाकलापों से रूबरू होने के साथ उनमें देश प्रेम की भावना का जज्बा जागृत करने के लिए तनोट माता ट्रस्ट द्वारा ऑन लाइन पास जारी करने की सुविधा शुरू की है,। इस सुविधा में सैलानी को तनोट माता ट्रस्ट की अधिकृत वेबसाइट पर जाकर इस ऑनलाइन फार्म के आवेदन पत्र को भरना होगा, जिसमे उन्हें आवेदन पत्र में मांगी गई जानकारी को मय आधार कार्ड की के साथ भरना होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पास जारी होने के बाद सैलानी तनोट क्षेत्र में बबलियान वाला बार्डर तक जा सकेगा तथा सुबह 8 बजे से लेकर एक एक घण्टे के अंतराल में वह बार्डर विजिट कर सकेगा, बार्डर जाने का अंतिम फेज का समय दुपहर 3 से 4 बजे तक होगा। उसके बाद वहां कोई ठहर नही सकेगा। सैलानियों के बॉर्डर विजिट के दौरान सैलानियों को कड़े सुरक्षा प्रबंधन व जांच पड़ताल के बाद बार्डर पर पहुंचना होगा। जिले के एक प्रमुख पर्यटन व्यवसायी मयंक कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि बीएसएफ के तनोट माता ट्रस्ट के द्वारा सैलानियों के लिए बार्डर देखने के लिए जाने हेतु पास जारी करने की सुविधा शुरू करने से जैसलमेर में सैलानियों की संख्या में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी , सैलानी के ठहराव में भी एक दिन की बढ़ोतरी होगी, इससे जैसलमेर के पर्यटन उधोग में नए पंख लगेंगे। गौरतलब है भारत-पाक सरहद पर बने तनोट माता मंदिर परिसर में तनोट पर्यटन परियोजना लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा 17.67 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2022 में इसका शिलान्यास भी किया गया। इससे सैलानियों के लिए इस इलाके में पर्यटन के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। जिसमे सैलानियों के लिए बीएसएफ की ओर से डोक्यूमैंटरी ,हथियार प्रदर्शनी,फोटो गैलरी,मोर्टार,युद्ध मे प्रयुक्त वाहन,दुश्मन देश की टेकें आदि प्रदर्शनी के लिए लगाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट का कार्य प्रगति पर है।

मथुरा में जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा-वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के मौके पर उमड़ी भीड़ के बीच सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय मथुरा प्रवास के दूसरे दिन सोमवार सुबह श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे और उन्होंने ठाकुर केशवदेव, गर्भगृह एवं भागवत भवन के युगल सरकार का दर्शन व पूजन कर जगत कल्याण की कामना की।

मथुरा-वृंदावन में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है और देश के कोने-कोने और विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। इस बीच श्री राधारमण मंदिर, श्री राधा दामोदर मंदिर एवं श्री शाह बिहारी मंदिर प्रबंधन ने बताया कि इन तीनों मंदिरों में अन्य मंदिरों में रात्रि कालीन अभिषेक की परंपरा के विपरीत मंगलवार (कल) सुबह अभिषेक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते से संस्कृत के एक श्लोक के साथ पोस्ट किया भुवो भरावतारकं भवाब्धिकर्णधारकं यशोमतीकिशोरकं नमामि चित्तचोरकम्। दृगन्तकान्तभङ्गिनं सदासदालसङ्गिनं दिने दिने नवं नवं नमामि नन्दसम्भवम्।।

योगी ने पोस्ट में कहा, पावन नगरी मथुरा में आज योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण और श्री राधा रानी के दिव्य और मनोहारी स्वरूप के दर्शन-पूजन किए। दुःखभंजन, यशोदानंदन, भगवान श्री कृष्ण एवं श्री राधा जी की अनुकम्पा संपूर्ण सृष्टि पर बनी रहे, चराचर जगत का कल्याण हो। कृष्ण कन्हैया लाल की जय! वृंदावन बिहारी लाल की जय!

लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार श्रीकृष्ण के 5251 वें जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे और वहां उन्होंने श्रीकृष्ण का दर्शन-पूजन किया। योगी ने जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान से प्रदेशवासियों को संबोधित भी किया। बयान के अनुसार योगी ने अपने संबोधन में कहा, आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व है। 5251 वर्ष पूर्व श्री हरि भगवान विष्णु के पूर्ण अवतार के रूप में लीलाधर भगवान श्रीकृष्ण ने मां देवकी व वासुदेव के पुत्र के रूप में इस धरा धाम पर अवतरित होकर धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना का कार्य द्वापर युग में पूर्ण करके श्रीमद्भागवत के शाश्वत मंत्रों के माध्यम से नई संजीवनी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा, यही कामना करता हूं कि प्रभु की कृपा से देश व प्रदेश पर सुख, समृद्धि बरसती रहे। पांच हजार वर्ष पूर्व उन्होंने धर्म के पथ का अनुसरण करने, सत्य व न्याय का संदेश दिया था, उस मार्ग का अनुसरण करते हुए हम सभी लोकमंगल व राष्ट्रमंडल के अभियान के प्रति पूर्ण समर्पण भाव के साथ कार्य कर सकें। योगी ने श्रद्धालुओं के लिए कामना करते हुए कहा, प्रभु आपको इतनी शक्ति दें कि व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय जीवन मंगलमय व शुभ हो।

त्रिपुरा : मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त पाए जाने के बाद 12 घर जलाए गए, निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। पश्चिमी त्रिपुरा के रानीरबाजार क्षेत्र में एक मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त पाए जाने के बाद अज्ञात लोगों ने कम से कम 12 घरों और कुछ वाहनों को आग लगा दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

रानीरबाजार के अंतर्गत जिरानिया उपखंड में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। तनाव कम करने के लिए इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। सहायक महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) अनंत दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''कैतुरबाड़ी में देवी काली की मूर्ति खंडित पाए जाने के बाद रविवार देर रात उपद्रवियों ने रानीरबाजार में करीब 12 घरों में आग लगा दी। आग में कुछ मोटरसाइकिलें और पिकअप वाहन भी जलकर खाक हो गए।'' इस घटना में किसी व्यक्ति के हताहत की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उग्र भीड़ को देखकर लोग अपने घरों से भाग गए। दास ने कहा कि तनाव कम करने के लिए भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और पुलिस महानिदेशक (खुफिया) अनुराग धनखड़ और पश्चिमी त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने क्षेत्र का दौरा किया है। उन्होंने कहा, ''संपत्ति के नुकसान का आकलन पूरा होने के बाद पुलिस स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज करेगी। स्थिति नियंत्रण में है।'' जिला मजिस्ट्रेट विशाल कुमार ने एक आदेश में कहा कि शांति भंग की आशंका के मद्देनजर पश्चिम त्रिपुरा जिले के जिरानिया उपखंड में 26 से 28 अगस्त तक बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। निषेधाज्ञा के तहत उपखंड में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। टिपरा मोथा के प्रमुख प्रद्युत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने सोमवार को घटना पर चिंता व्यक्त की और सभी से कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर लिखा, ''रानीबाजार कैतुरबारी इलाके में कल रात हुई घटना तथा सांप्रदायिक झड़पों की खबरें चिंताजनक संकेत हैं। मैं कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों से कानून के शासन का पालन करने की अपील करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''जब हमारा राज्य प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है और इतना तनाव है, तो कुछ तत्व केवल धार्मिक राजनीति कर रहे हैं। उपद्रवियों से उनकी आस्था की परवाह किए बिना सख्ती से निपटा जाना चाहिए, कानून सभी के प्रति निष्पक्ष होना चाहिए। मैं त्रिपुरा से इस कठिन समय में एकजुट होने और एक-दूसरे से झगड़ा नहीं करने का आग्रह करता हूं।'' त्रिपुरा में 19 अगस्त से आई विनाशकारी बाढ़ के कारण कम से कम 26 लोगों की मौत हो चुकी है और 1.17 लाख लोग बेघर हो गए हैं।

कांग्रेस का 'डीएनए' जनविरोधी है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस का 'डीएनए' जनविरोधी है और पार्टी उत्पीड़कों और भ्रष्ट लोगों के समर्थन में खड़ी है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रमों में शामिल होने ग्वालियर आए सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस न्याय के शासन का विरोध करती है।

छतरपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल होने के आरोपी एक व्यक्ति के घर को अधिकारियों द्वारा गिराए जाने के कांग्रेस के विरोध के बारे में पूछे जाने पर सिंधिया ने कहा, कांग्रेस जन कल्याण के लिए उठाए गए हर कदम का विरोध करेगी। कांग्रेस का डीएनए जनविरोधी है। वे एकीकृत पेंशन योजना और लोगों पर अत्याचार करने वालों के घरों को बुलडोजर से गिराने का विरोध करेंगे। सिंधिया ने कहा, कांग्रेस अत्याचारियों और भ्रष्ट लोगों के समर्थन में खड़ी है। पार्टी का यह चरित्र उजागर हो चुका है। यह महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के पक्ष में बात कर रही है, जैसा कि पश्चिम बंगाल से लेकर कर्नाटक तक देखा जा रहा है। जब कांग्रेस सत्ता में होती है, तो अत्याचार का शासन होता है। यह न्याय के शासन का विरोध करती है। कांग्रेस ने शहजाद अली के घर को बुलडोजर से गिराने के लिए मध्यप्रदेश के अधिकारियों की निंदा की है।

सीबीआई ने आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य का दूसरे दौर का पॉलीग्राफ टेस्ट किया

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आरजीकेएमसीएच) में चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की जांच के सिलसिले में सोमवार को पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और पांच अन्य का दूसरे दौर का पॉलीग्राफ टेस्ट शुरू किया। एक अधिकारी के अनुसार, पिछले 10 दिनों में घोष से हुई पूछताछ के दौरान उनके बयानों में तारतम्य नहीं दिखा, जिसके कारण अधिकारियों को पॉलीग्राफ टेस्ट का एक और दौर आयोजित करना पड़ा। सीबीआई ने शनिवार को घोष और पांच अन्य पर झूठ पकड़ने वाले परीक्षण किए थे। अधिकारी ने बताया कि आरजीकेएमसीएच में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में सोमवार को संस्थान के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और पूर्व चिकित्सा अधीक्षक एवं उप प्राचार्य संजय वशिष्ठ से पूछताछ शुरू की गई।

'शुद्ध रूप से' कुश्ती खेलनी है तो संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करें विनेश : डब्ल्यूएफआई

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा करने वाली पहलवान विनेश फोगाट को अपने इस फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए, बशर्ते उनका इरादा 'शुद्ध रूप से' कुश्ती खेलना ही हो।

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल से पहले विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

संजय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,''अगर विनेश को शुद्ध रूप से कुश्ती खेलनी है, तो उन्हें संन्यास के अपने फैसले पर एक बार पुनर्विचार करना चाहिए। उनसे प्रेरणा लेकर महिला पहलवानों की हमारी नई पीढ़ी आगे बढ़ेगी।'' उन्होंने हालांकि अपनी बात में तुरंत जोड़ा,''जिस हिसाब से वह (विनेश) आजकल राजनीतिक मंच साझा कर रही हैं, ऐसे में अगर उन्हें (भविष्य में) राजनीति ही करनी है, तो फिर उन्हें कुश्ती में राजनीति नहीं करनी चाहिए।''

फ्रंटियर नगालैंड की मांग पर जल्द 'सौहार्द्रपूर्ण समाधान' निकलने का भरोसा: येपथोमी

दीमापुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नगालैंड इकाई के प्रमुख बेंजामिन येपथोमी ने सोमवार को भरोसा जताया है कि राज्य के पूर्वी जिलों को मिलाकर फ्रंटियर नगालैंड राज्य बनाने की मांग पर केंद्र जल्द 'सौहार्द्रपूर्ण समाधान' निकालेगा। ईस्ट नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के आह्वान पर इन पूर्वी जिलों के लोगों ने लोकसभा चुनाव और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान नहीं किया।

ईएनपीओ इस क्षेत्र को नगालैंड से अलग करने की मांग कर रहा है। उसका आरोप है कि इस क्षेत्र की सभी पहलुओं पर दशकों से अनदेखी की जा रही है। दीमापुर में सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए येपथोमी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र ने आश्वासन दिया है कि एक दशक से अधिक पुरानी मांग का सौहार्दपूर्ण समाधान प्रदान करना राष्ट्रीय जनातंत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''ईएनपीओ मुद्दे का समाधान अब दूर नहीं है और इसे बहुत जल्द सुलझा लिया जाएगा। ईएनपीओ की चिंता गहरी, वास्तविक और वैध है।''

प्रधानमंत्री का 'रोल प्ले' नहीं करें योगी आदित्यनाथ : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बांग्लादेश पर दिए गए बयान पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि वह (योगी) प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं, कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का ''रोल प्ले'' नहीं करना चाहिए।

सपा प्रमुख यादव ने यहां सोमवार को संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि ''वह (योगी आदित्यनाथ) प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का ''रोल प्ले'' (भूमिका) नहीं करना चाहिए।'' यादव ने देश की विदेश नीति से जुड़े मामलों को लेकर कहा, ''यह कार्य प्रधानमंत्री जी का है, भारत सरकार का है कि दुनिया में किस देश के साथ कैसा संबंध रखना है। यह पहली बार मुख्यमंत्री जी नहीं कह रहे हैं। मुख्यमंत्री जी पहले भी कह चुके हैं। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली वाले (केन्द्र सरकार) उन्हें समझाएंगे कि दिल्ली वाले फैसलों में वह हस्तक्षेप न करें।'' योगी ने समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हुई गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा, ''राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी मजबूत होगा, जब हम सब एकजुट रहेंगे। बंटेंगे तो कटेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए। एक रहेंगे- नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे।'' बांग्लादेश में, हाल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए हैं, जिस कारण प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना को हटना पड़ा और देश छोड़ना पड़ गया। इसके बाद भी पड़ोसी देश में हिंसा की घटनाएं जारी रहीं, जिनमें हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमले किये गए।

भाजपा ने किसान आंदोलन पर कंगना के बयान से जताई असहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत के उस बयान से असहमति जताते हुए किनारा कर लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे और वहां बलात्कार तथा हत्याएं हो रही थीं। भाजपा के केंद्रीय मीडिया विभाग की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, पार्टी ने मंडी की सांसद को हिदायत भी दी कि वह इस प्रकार के कोई बयान भविष्य में न दें। कंगना रनौत ने अपने साक्षात्कार की एक क्लिप 'एक्स' पर पोस्ट की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो भारत में भी ''बांग्लादेश जैसी स्थिति'' पैदा हो सकती थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसानों के प्रदर्शन के दौरान ''लाशें लटकी थी और दुष्कर्म की घटनाएं हो रही थीं।'' उन्होंने ''षड्यंत्र'' में चीन और अमेरिका के शामिल होने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कहा, ''सांसद कंगना रनौत द्वारा किसान आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में दिया गया बयान, पार्टी का मत नहीं है। भाजपा कंगना रनौत के बयान से असहमति व्यक्त करती है। पार्टी की ओर से, पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने के लिए कंगना रनौत को न तो अनुमति है और न ही वे बयान देने के लिए अधिकृत हैं।'' भाजपा के रनौत की टिप्पणी से खुद को अलग कर लेने के बीच कांग्रेस ने सत्तारूढ़ पार्टी से कहा कि यदि वह वास्तव में रनौत के विचारों से असहमत है तो उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाए। हरियाणा के साथ पंजाब के बड़ी संख्या में किसान विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। हरियाणा में कुछ ही हफ्तों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा ने रनौत की टिप्पणी से असहमति जताकर राज्य में होने वाले किसी भी नुकसान से खुद को बचाने की कोशिश की है।

भाजपा के बयान में कहा गया कि पार्टी की ओर से रनौत को निर्देशित किया गया है कि वह इस प्रकार के कोई बयान भविष्य में न दें। पार्टी ने कहा, ''भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' तथा सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर चलने के लिए कृतसंकल्पित है।'' यह पहली बार नहीं है जब रनौत ने किसानों के बारे में भड़काऊ टिप्पणी की है। वह पहले भी अपनी कई टिप्पणियों को लेकर विवादों में घिरती रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नवंबर 2021 में तीन कृषि कानूनों को वापस लेने के फैसले की घोषणा के बाद किसान आंदोलन खत्म हुआ था।

पार्टी ने पहले भी रनौत को निजी तौर पर यह बताया है कि उन्हें अपने विचार व्यक्त करने में सावधानी बरतनी चाहिए। किसानों के कई समूह विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ गोलबंद होने का प्रयास कर रहे हैं, तथा केंद्र सरकार भी कृषक समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए समय-समय पर कई कदम उठा रही है। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि सरकार को कंगना के इस दावे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए कि अमेरिका और चीन देश के अंदर अस्थिरता की साजिश कर रहे थे। श्रीनेत ने कहा, ''कंगना रनौत के बयान पर आक्रोश पैदा हुआ तो भाजपा से उसका आधिकारिक रुख के बारे में पूछा गया। हरियाणा का चुनाव का नजदीक है और पता है कि भाजपा हारने जा रही है। ऐसे में भाजपा की तरफ से एक बयान आया जिसमें कंगना की टिप्पणियों से असहमति जताई गई।''

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि अगर यह भाजपा का मत नहीं है तो कंगना रनौत को पार्टी से निकालिए। भाजपा शासित हरियाणा में एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव होने हैं।

महिला चिकित्सक मौत मामला, कई दूर्गा पूजा समितियों का बंगाल सरकार से अनुदान लेने से इनकार

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के सरकारी आर.जी.कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में न्याय की मांग तेज होती जा रही है और इसी कड़ी में राज्य की कई दुर्गा पूजा समितियों ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान राशि लेने से इनकार कर दिया है।

पूजा समितियों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा 85 हजार रुपए अनुदान देने की पेशकश को अस्वीकार करते हुए कहा कि वे ऐसी सरकार से मदद नहीं ले सकते जब महिलाएं सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। हुगली स्थित भद्रकाली बोउथान संघ की अध्यक्ष रीना दास ने कहा, '' हमने इस साल इस अनुदान का बहिष्कार करने का फैसला किया है ताकि हमारे सदस्यों की भावनाओं का सम्मान किया जा सके जो महिला चिकित्सक की उसके कार्यस्थल पर किए गए नृशंस हमले से परेशान हैं। हम पिछले कई साल से यह अनुदान ले रहे थे।'' उत्तरपाड़ा शक्ति संघ के प्रसनजीत भट्टाचार्य ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''यह सांकेतिक विरोध है।हम तबतक राशि स्वीकार नहीं करेंगे जबतक इस नृशंस अपराध के दोषी पकड़े नहीं जाते और उन्हें न्याय के कठघरे में नहीं लाया जाता।'' मुर्शिदाबाद की लालगोला कृष्णापुर संन्यासीताला व नादिया जिले के बेथउदहाड़ी टाउन क्लब सहित अन्य पूजा समितियों ने अनुदान स्वीकार नहीं करने के अपने फैसले से स्थानीय अधिकारियों को अवगत करा दिया है।

झारखंड : तीन नक्सली गिरफ्तार, हथियार जब्त

मेदिनीनगर/भाषा। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) से अलग हुए गुट प्रतिबंधित झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के तीन सदस्यों को झारखंड के पलामू जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों के पास से राइफल, पिस्तौल, छह कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

पलामू की पुलिस अधीक्षक रीश्मा रमेशन ने संवाददाताओं को बताया कि तीनों नक्सलियों को रविवार शाम को सरबरवा पुलिस थाना क्षेत्र के चेतमा गांव के नजदीक उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे रंगदारी वसूलने के लिए तुम्बागढ़ जा रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान विजय पासवान (31), अशोक कुमार यादव (34) और अखिलेश कुमार (38) के तौर पर की गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा के राजनीतिक दल बनाने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हजारीबाग(झारखंड)/भाषा। साल के अंत में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के एक नई राजनीतिक पार्टी गठित करने की संभावना है। हजारीबाग में रविवार शाम समर्थकों के साथ एक बैठक के दौरान, नई पार्टी गठित करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, ''समाज के विभिन्न वर्गों के साथ परामर्श करने के बाद, अटल विचार मंच (एवीएम) गठित करने पर अंतिम निर्णय शीघ्र लिया जाएगा।'' रविवार की बैठक की अध्यक्षता सुरेंद्र कुमार सिन्हा ने की, जो भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी के पूर्व सदस्य हैं। वह (सुरेंद्र) भाजपा के पूर्व सांसद जयंत सिन्हा के (सांसद) प्रतिनिधि रह चुके हैं। बैठक में जयंत और उनके पिता यशवंत सिन्हा, दोनों के समर्थकों ने हिस्सा लिया। वाजपेयी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने 1998, 1999 और 2009 में हजारीबाग लोकसभा सीट जीती थी। साल 2004 के चुनाव में वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के उम्मीदवार भुवनेश्वर मेहता से हार गए थे। वर्ष 2014 में, भाजपा ने यशवंत सिन्हा के बड़े बेटे जयंत सिन्हा को हजारीबाग सीट से टिकट दिया था। हालांकि, हाल में हुए लोकसभा चुनाव में जयंत सिन्हा की जगह मनीष जायसवाल को टिकट दिया गया और जायसवाल ने 2.76 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

नहीं करूंगी राजनीति, देश के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक लाना है लक्ष्य : मनु भाकर

भिवानी/भाषा। पेरिस ओलंपिक में देश के लिए दो कांस्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर का सोमवार को उनके ननिहाल चरखी दादरी में भव्य स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

मनु ने ननिहाल के सम्मान को ताउम्र याद रखने की बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं राजनीति में नहीं आऊंगी। बल्कि अपने खेल पर ध्यान देते हुए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना ही मेरा लक्ष्य है। '' कोई भी खिलाड़ी हो उसकी सोच पर निर्भर रहता है कि वे राजनीति करें या फिर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करें। मनु ने कहा, ''मेरा ध्यान सिर्फ देश के लिए स्वर्ण जीतने का है। अभी राजनीति नहीं करूंगी। '' सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान, अंतरराष्ट्रीय पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट सहित कई राजनेता मौजूद थे। मनु ने कहा, ''जो सम्मान मिल रहा है, उसी उत्साह के साथ ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए जज्बा भी बढ़ रहा है।''

फिट रहा तो अगले ओलंपिक में खेलने की उम्मीद है: मनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मनप्रीत सिंह 30 साल की उम्र को पार कर चुके हैं लेकिन इस स्टार मिडफील्डर को उम्मीद है कि अगर वह फिट रहते हैं तो लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग ले सकते हैं जो उनका पांचवा ओलंपिक होगा।

मनप्रीत अभी 32 साल के हैं और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हैं। भारत ने उनके कप्तान रहते हुए तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह पेरिस ओलंपिक में हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के सदस्य भी थे। मनप्रीत ने पीटीआई से कहा,''मेरा लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल हैं लेकिन सब कुछ मेरी फिटनेस पर निर्भर करता है। अगर मैं अपनी फिटनेस बनाए रखता हूं और अच्छा प्रदर्शन करता रहता हूं तो मैं निश्चित तौर पर अगले ओलंपिक में खेलूंगा।'' उन्होंने कहा,''आज की हॉकी में फिटनेस बेहद महत्वपूर्ण हो गई है इसलिए आखिर में सब कुछ मेरी फिटनेस पर ही निर्भर करेगा। '' मनप्रीत को फिटनेस को लेकर अभी तक किसी खास समस्या का सामना नहीं करना पड़ा और उन्हें उम्मीद है कि वह आगे भी अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। मनप्रीत के अलावा पूर्व दिग्गज खिलाड़ी उधम सिंह, लेस्ली क्लॉडियस और धनराज पिल्लै तथा हाल में संन्यास लेने वाले पीआर श्रीजेश ने चार ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। भारत की तरफ से अभी तक 378 अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 गोल करने वाले मनप्रीत का लक्ष्य ओलंपिक खेल 2028 में भाग लेकर नया रिकॉर्ड बनाना है। पंजाब के मीठापुर गांव का रहने वाला यह खिलाड़ी लगातार दो ओलंपिक पदक जीत कर काफी खुश है। उन्होंने कहा,'' लगातार दो ओलंपिक पदक जीतना एक अलग तरह की अनुभूति है। हमने लंबे समय बाद ओलंपिक में लगातार दो पदक जीते हैं और प्रत्येक खिलाड़ी ओलंपिक पदक जीतना चाहता है।'' मनप्रीत ने कहा,''मैं चार ओलंपिक में भाग ले चुका हूं। पहले दो ओलंपिक में मैं पदक हासिल नहीं कर पाया लेकिन पिछले दो ओलंपिक में मैंने पदक हासिल किए। मैं कितना खुश हूं आप इसका अंदाजा नहीं लगा सकते हैं।''

सुविचार

खुशी वो नहीं है जो दिखती है, खुशी वो है जो महसूस होती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सबक ले पाक

पाकिस्तान के इतिहास में 26 अगस्त एक बार फिर 'रक्तरंजित' दिन के तौर पर दर्ज हो गया। यह स्पष्ट रूप से उसकी फौजी 'कारगुजारियों' का नतीजा है। पाकिस्तानी फौज ने बलोचिस्तान में जिस तरह अत्याचार की हदें पार की हैं, उसके बाद आम जनता की ओर से पलटवार होना स्वाभाविक है। पूरे बलोचिस्तान में एक ही दिन में हिंसा से 40 से ज्यादा लोगों की मौत होना बताता है कि सशस्त्र संघर्ष जोर पकड़ रहा है। उसके मुसाखाइल जिले में 'हथियारबंद लोगों' द्वारा ट्रकों और बसों से यात्रियों को उतारकर उनके पहचान-पत्रों की जांच करते हुए 23 लोगों को मौत के घाट उतारने की घटना दिल दहला देनेवाली है। इसमें जान गंवाने वाले ज्यादातर लोग पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से थे। हालांकि यह इस किस्म की कोई पहली घटना नहीं है। बलोचिस्तान में पंजाब के प्रति गहरा आक्रोश है। पाकिस्तान में फौज से लेकर पुलिस और नौकरशाही तक पंजाब का दबदबा है। अन्य प्रांतों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। बलोचिस्तान खनिज संपदा से मालामाल प्रांत है। वहां कई दुर्लभ धातुओं समेत प्राकृतिक गैस के भंडार हैं। बलोचिस्तान का दुर्भाग्य है कि इन सबका उसे कोई फायदा नहीं मिला। इस खजाने से पाक फौज के अफसर ऐश कर रहे हैं। बलोचिस्तान की धरती से निकलने वाली गैस पाकिस्तानी पंजाब के घर-घर तक जाती है, लेकिन आम बलोच आज भी पेट भरने के लिए लकड़ी का चूल्हा जलाकर संघर्ष कर रहा है। पाकिस्तान की सरकार और फौज के इस रवैए से आजिज़ आकर बलोचों ने अपना हक मांगने के लिए कई बार हुंकार भरी, लेकिन हर बार उन्हें कुचल दिया गया। छब्बीस अगस्त, 2006 को पाक फौज ने बलोचिस्तान के वरिष्ठ नेता अकबर शहबाज़ खान बुगती की हत्या कर दी थी। बलोच इस तारीख को भूले नहीं हैं।

दुनियाभर में 'कश्मीर राग' अलापने वाले पाकिस्तान के लिए आज बलोचिस्तान बचाना मुश्किल हो गया है। वहां जिस स्तर पर गोलीबारी और ग्रेनेड हमले हो रहे हैं, उससे फौज के लिए मुसीबतें बढ़ना तय है। उसने 21 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है, लेकिन इस पर सवाल उठ रहे हैं। पाक फौज आतंकवादियों के खात्मे के नाम पर आम बलोचों की हत्याएं करती रही है। वहां कई लोग वर्षों से लापता हैं। उनके परिजन इस्लामाबाद और कई शहरों में धरने-प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर मस्तुंग, कलात, पसनी, सुंतसर, सिबी, पंजगुर और क्वेटा जैसे इलाकों में घातक हमले हो रहे हैं तो इनके निहितार्थ समझने की जरूरत है। इस साल अप्रैल में भी बलोचिस्तान के नोश्की शहर के पास बस से नौ यात्रियों को उतारकर उनके पहचान-पत्रों की जांच करने के बाद उन्हें गोलियां मार दी गई थीं। पिछले साल अक्टूबर में केच जिले के तुर्बत में छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे भी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से थे। साल 2019 में ग्वादर जिले के पास ओरमारा में एक बस से 14 लोगों को उतारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। वे पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के कर्मी थे, जिनमें से ज्यादातर का ताल्लुक पंजाब से था। साल 2015 में तुर्बत के पास मजदूरों के एक शिविर पर घात लगाकर हमला किया गया था। उसमें 20 लोगों की जान चली गई थी। उनमें से ज्यादातर पंजाब से थे। ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल एक-दो दर्जन बलोचों को मार गिराते हैं। उसकी प्रतिक्रिया में बलोच आबादी में ज्यादा आक्रोश पनपता है। पाकिस्तान को इससे सबक लेना चाहिए। बलोच आबादी पर जोर-जुल्म खत्म होना चाहिए। अगर बलोचिस्तान के लोगों को अपने वाजिब हक नहीं मिले तो आक्रोश की यह ज्वाला पाकिस्तान के विखंडन की वजह भी बन सकती है।

ट्वीटर टॉक

बिश्नोई समाज के संस्थापक श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान के 574वें जन्मोत्सव पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। गुरु जम्भेश्वर भगवान के जीवन ने समाज को एक नई दिशा दिखाई एवं उन्होंने मानवमात्र को प्रकृति का महत्व समझाया।

-अशोक गहलोत

जन्माष्टमी के अवसर पर मैं प्रदेश के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान कृष्ण धर्म के प्रतीक हैं और उनका जीवन आज भी हमें प्रेरित करता हैं। जहाँ-जहाँ भगवान श्रीकृष्ण के पावन चरण पड़े, उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

-भजनलाल शर्मा

पाली के सुमेरपुर जवाई बांध रेलवे स्टेशन के नजदीक पटरियों पर सीमेंट कंकरीट ब्लॉक रखकर वंदे भारत ट्रेन को बेपटरी कर बड़े हादसे को अंजाम देने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ा धर्म

बौद्ध साधक हुआंग पो एकांत में साधना किया करते थे। कई बार भिक्षा मांगने गांव न जा पाते, तो धरती खोदकर कंद-मूल निकाल लेते और उससे ही अपनी क्षुधा मिटाते। एक दिन भूख से व्याकुल संत हुआंग कंदमूल की तलाश में जंगल पहुंचे। अचानक किसी ने पूछा, 'संत हुआंग पो का आश्रम कितनी दूर है?' संत के मुख से निकला, 'क्या करोगे उस भूखे भिखारी व पागल से मिलकर। कहीं भूख मिटाने की जुगाड़ में लगा होगा वह।' अजनबी ने कहा, 'आप ऐसे महान संत को पागल कहते हैं। मैं उनके दर्शन को लालायित हूं।' संत ने जवाब दिया, 'कुछ देर बैठो। पहले मैं अपना काम पूरा कर लूं, फिर तुम्हें वहां पहुंचा दूंगा।' कंद मिलते ही संत उसे लेकर कुटिया तक गए। उसे ठंडा पानी पिलाया और बोले, 'कुछ देर प्रतीक्षा करो।' कंद खाने के बाद तृप्त होकर हुआंग पो कुटिया में लौटे और आगंतुक से विनम्रता से बोले, 'अब बताओ, क्या चाहते हो मुझसे?' आगंतुक चकित हो उठा कि रूखा व्यवहार करने वाला व्यक्ति ही संत हुआंग पो है। उसने पूछा, 'उस समय आपकी वाणी में रूखापन था-अब विनम्रता। यह अंतर क्यों? संत ने कहा, 'वह भूख से व्याकुल भिक्षुक की भाषा थी और अब यह तृप्त ज्ञानी की वाणी है।'

सामयिक

कितना सफल होगा नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा?

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'
मोबाइल : 9955818270

यूक्रेन और रूस के बीच का संघर्ष 2014 में क्रीमिया के रूस द्वारा अधिग्रहण से शुरू हुआ और 2022 में पूर्ण युद्ध में बदल गया। इस युद्ध ने न केवल इन दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ाया है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव डाला है। इस बीच, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में सामने आया है। इस दौरे के कई उद्देश्य हैं, जिनमें से प्रमुख है युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता की संभावना तलाशना और शांति स्थापना के लिए बातचीत को बढ़ावा देना। 1992 में राजनयिक रिश्तों की स्थापना के बाद ये किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला यूक्रेन दौरा है। पीएम मोदी का यूक्रेन दौरा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मॉस्को में उनकी मुलाकात के छह हफ्ते बाद हो रहा है जिसकी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने खूब आलोचना की थी।

दौरे का क्या है उद्देश्य?

पीएम मोदी के यूक्रेन दौरे का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और विनाशकारी युद्ध क्षेत्र में शांति की वकालत करना है। व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा और रक्षा सहयोग में यूक्रेन के साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं। 30 सालों पहले जब सोवियत संघ के विघटन के बाद यूक्रेन एक नया देश बना और हमने उससे कूटनीतिक संबंध स्थापित किया, तब से ही यूक्रेन के साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं। इस यात्रा से संबंध और बेहतर होने की संभावना है।भारत यूक्रेन को और अधिक मानवीय मदद मुहैया कराएगा और यूक्रेन भी युद्ध के बाद निर्माण कार्य के लिए भारतीय कंपनियों को तवज्जो देगा।

भारत ने हमेशा गुटनिरपेक्षता की नीति का पालन किया है और यूक्रेन तथा रूस दोनों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे हैं। मोदी का यह दौरा इसी नीति के तहत शांति स्थापना में एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने के उद्देश्य से किया गया है। इस दौरे के माध्यम से भारत ने यह संकेत दिया है कि वह एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए तैयार है जो न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित कर सकता है। युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने और यूक्रेन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव भी इस दौरे का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य था।

यात्रा के दौरान हुई वार्ता :

नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान युद्ध विराम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युद्ध से किसी का भी लाभ नहीं होता है और शांति स्थापना ही एकमात्र रास्ता है। मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधे संवाद की आवश्यकता पर बल दिया और इसे संघर्ष को समाप्त करने का सबसे प्रभावी तरीका

बताया। मोदी और ज़ेलेंस्की ने क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सम्मान सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए आगे सहयोग पर सहमति व्यक्त की। मोदी ने बातचीत और कूटनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाधान का रास्ता केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही खोजा जा सकता है।

यूक्रेन में चल रहे युद्ध के कारण लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं और मानवीय संकट गहराता जा रहा है। मोदी ने यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया और युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में सहायता भेजने की प्रतिबद्धता जताई। मोदी ने यूक्रेन को चार भीष्म क्यूब्स भेंट किए, जिनमें आपातकालीन उपचार और सर्जरी के लिए चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति शामिल हैं। जेलेंस्की ने क्यूब्स की मानवीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया, जिससे घायलों के उपचार में तेजी आएगी और बहुमूल्य जीवन बचाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक भीष्म क्यूब में सभी प्रकार की चोटों और चिकित्सा स्थितियों के लिए प्राथमिक देखभाल से जुड़ी दवाइयां और उपकरण शामिल हैं। साथ ही चिकित्सा सहयोग, कृषि सहयोग, मानवीय सहायता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से संबंधित चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत और यूक्रेन के बीच ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की संभावनाएं हैं। भारत ने यूक्रेन के साथ इंडिया के तेल सौदे पर उनकी चिंताओं का जवाब दिया है। विदेश मंत्री के मुताबिक भारत ने यूक्रेन को मौजूदा तेल बाजार की स्थिति, भारत पर पड़ने वाले इसके असर, रूस से तेल खरीदने की भारत की रणनीतिक जरूरत और वर्ल्ड इकोनॉमी पर इसके असर को समझाया है।

क्या हो सकते हैं परिणाम :

यदि भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों में सफल होता है, तो यह दौरा शांति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हो सकता है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव कम होने और बातचीत की एक नई राह खुलने की संभावना है। इस दौरे से भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होगी और यह एक जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में उभरेगा। भारत ने हमेशा शांति और संवाद का समर्थन किया है और यह दौरा उस नीति का प्रतीक है।

यदि भारत रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करने में सफल होता है, तो यह दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के बाद, भारत और यूक्रेन के बीच मानवीय सहायता और आर्थिक सहयोग में वृद्धि हो सकती है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

शांति बहाल करने में सफल होगा भारत?

नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा वैश्विक मंच पर एक साहसिक कदम है, लेकिन युद्ध को समाप्त करना केवल कूटनीतिक प्रयासों से संभव नहीं है। यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, जिसमें कई आंतरिक और बाहरी कारक शामिल हैं। हालांकि, मोदी का प्रयास इस संघर्ष में एक सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकता है। उनकी मध्यस्थता की पेशकश और युद्ध विराम की अपील से दोनों पक्षों के बीच विश्वास का माहौल बन सकता है। यदि भारत इस दिशा में आगे बढ़ता है और रूस तथा यूक्रेन के बीच संवाद की प्रक्रिया को सुचारू करने में सफल होता है, तो यह एक बड़ी कूटनीतिक सफलता होगी।

यह कहना मुश्किल है कि नरेंद्र मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में सफल होंगे या नहीं। यह युद्ध कई वर्षों से चला आ रहा है और इसमें कई जटिल मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, मोदी के प्रयासों से यह संभव है कि दोनों पक्षों के बीच विश्वास बहाली हो और वे बातचीत की मेज पर आएं। भारत ने हमेशा शांति और संवाद का समर्थन किया है और इस दौरे के माध्यम से उसने इस नीति को और भी स्पष्ट रूप से सामने रखा है। यदि भारत रूस और यूक्रेन के बीच एक संवाद स्थापित करने में सफल होता है, तो यह शांति की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तटस्थ नीति और दोनों ही देशों के साथ अच्छे संबंधों को देखते हुए कई बार यह कहा गया कि भारत दोनों पक्षों को बातचीत की टेबल पर लाने का काम कर सकता है। हालांकि, युद्ध में अभी जो हालात हैं, उसे देखते हुए यह कह पाना बेहद मुश्किल है कि दोनों पक्ष बातचीत के लिए राजी होंगे। यूक्रेन के सैनिकों ने रूस के कुर्स्क इलाके में घुसपैठ कर ली है। नरेंद्र मोदी का यूक्रेन दौरा एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक प्रयास है जो वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है। हालांकि, युद्ध को समाप्त करना और शांति की स्थापना करना एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन मोदी का यह दौरा एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। यह दौरा इस बात का प्रमाण है कि भारत न केवल अपने क्षेत्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। आगे का रास्ता मुश्किल हो सकता है, लेकिन अगर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों में सफल होता है, तो यह दौरा वैश्विक शांति और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हालांकि, यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत, रूस, और यूक्रेन किस हद तक अपने मतभेदों को दूर कर एक साझा समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हैं।

चिंतन

छात्राओं के साथ घिनौनी हरकतें शर्मनाक

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

देश भर में अलग अलग स्थानों पर शिक्षा के पावन स्थलों में मासूम बच्चियों को येन केन प्रकारेण दरिंदगी का शिकार बनाने की घटनाओं की झड़ी लगी है। तमिलनाडु के सिरुमुगाई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां रूटीन विजिट पर निकले बाल संरक्षण अधिकारी उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने पाया कि टीचर द्वारा ही कथित तौर पर 9 छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया गया। दरअसल, जिला बाल संरक्षण अधिकारियों ने यौन उत्पीड़न और बाल विवाह के बारे में सेमिनार आयोजित करने के लिए अलंगोम्बू सरकारी स्कूल का दौरा किया था। इस दौरान जब स्टूडेंट्स से उन्होंने बातचीत की तो अधिकारी ये देखकर हैरान रह गई कि स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत नटराजन द्वारा कक्षा 7 और 8 की नौ छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था.अब पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच जारी है।

वहीं उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के रहने वाले एक मौलवी ने उत्तराखंड में मदरसे की 5 से 9 साल की 5 बच्चियों के साथ रेप किया। उन्हें धमकाता कि किसी को बताया तो जिन्न छोड़कर तुम्हारे मां-बाप को मरवा दूंगा। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ हैं। थाना रुद्रपुर में मस्जिद के ऊपर अवैध मदरसा बना हुआ है। यहां एक मौलवी बच्चियों के साथ रेप करता था। बच्चियां मदरसे में मौलवी से उर्दू सीखने जाती थीं। पुलिस ने मौलवी को गिरफ्तार किया और इन्वेस्टिगेशन शुरू की। इसमें चौंकाने

वाली बात निकलकर सामने आई हैं। पीड़िता की मां ने तहरीर में अपनी बेटी के अलावा चार बच्चियों का नाम भी उल्लेख किया था। इन बच्चियों का बयान कराया गया। ये बच्चियां हिंदी-इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ने जाती थीं। दोपहर में स्कूल खत्म करने के बाद पेरेंट्स इन्हें मौलवी के पास उर्दू सीखने के लिए भेज देते थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया-मौलवी दो महीने से बच्चियों के साथ रेप कर रहा था। वो बच्चियों को डराता था। कहता था कि मेरे पास डिब्बे में जिन्न है। उसे निकाल दूंगा, जो तुम्हारे मां-बाप को मार डालेगा। इसलिए बच्चियां कुछ बोलती नहीं थीं।

महाराष्ट्र के बदलापुर और अकोला में भी ऐसा ही मामला बता दें कि महाराष्ट्र के बदलापुर में भी दो स्कूली बच्चियों से यौन शोषण का मामला सामने आया था. यहां सरकारी स्कूल का टीचर छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाता था. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोप है कि टीचर करीब चार महीनों से ये हरकत कर रहा था। छात्राओं ने बाल कल्याण समिति को कॉल किया और पूरी बात बताई। यह घटना तब सामने आई, जब बदलापुर में दो किंडरगार्टन की बच्चियों के यौन शोषण को लेकर भारी विरोध-प्रदर्शन हो रहा है।

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में कक्षा में 11 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार के प्रयास के आरोप में पुलिस ने एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने बुधवार को कहा। यह घटना जिले के आलंद तालुक के निंबार्गा पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित एक सरकारी स्कूल से सामने आई है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता स्कूल में 5वीं कक्षा में पढ़ती थी। मंगलवार को जब बच्ची दोपहर का भोजन करने के बाद कक्षा में गई थी तो आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। निंबार्गा पुलिस ने आरोपी शिक्षक की तलाश शुरू की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

कर्नाटक के कोलार जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में पढ़ने वाली 17 वर्षीय लड़की ने सोमवार को स्कूल परिसर में ही बच्चे को जन्म दिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की ने महिला शौचालय में बच्चे को जन्म दिया है। इस घटना के बाद से स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया है।पुलिस के अनुसार, लड़की और बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लड़की के माता-पिता ने बाद में कोलार महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (2) (एन) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार करना) के तहत मामला दर्ज किया है।

प्रतिदिन हो रही बलात्कार की घटनाओं ने न सिर्फ देश में मासूम बच्चियों और उनके अभिभावकों के दिल दिमाग में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर दहशत और आशंका को जन्म दे रहीं हैं। देश भर में लडकियां महिलाएं खुद को असुरक्षित और जिस्म के भूखे दरिंदों से घिरे वातावरण में महसूस कर रहीं हैं इस माहौल में नारी जाति की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं अतः आवश्यकता इस बात की है कि बलात्कार के मामलों में त्वरित सुनवाई कर बिना देरी दोषियों को कठोरतम दंड दिया जाए ताकि इस असुरक्षा की भावना से आधी दुनिया को बाहर निकाला जा सके।

नजरिया

युवाओं में होती है नेतृत्व की काबिलियत

बाल मुकुन्द ओझा

युवा नेतृत्व को लेकर आज देशभर में व्यापक बहस छिड़ी है। युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के मुख्य वाहक होते हैं। युवा आबादी ही देश की तरक्की को रफ्तार प्रदान कर सकती है। भारत विश्व में सब से अधिक युवा आबादी वाला देश है। हमारे यहां 135 करोड़ की जनसंख्या में 65 प्रतिशत युवा हैं। लेकिन देश के सियासी नेतृत्व की बागडोर 60 साल से ऊपर के नेताओं के हाथों में है। युवाओं की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने से ही समाज में बदलाव आएगा। युवा भी खुद की ताकत को पहचाने और उसी के अनुरूप अपना रास्ता चुनें। युवा अपनी काबिलियत और नई सोच के बूते पर रोजगार सृजनकर्ता बन सकते हैं। युवा नई बुनियाद रखकर सामाजिक बदलाव के प्रणेता बन सकते हैं। विश्व के कई अन्य देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या की औसत आयु 29 वर्ष है। भारत दुनिया के युवा जनसांख्यिकीय के पांचवें हिस्से का घर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को राजनीति में आने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा हमारे देश के युवा बड़ी संख्या में राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं, बस उन्हें सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है। मोदी ने कहा, इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीतिक प्रणाली से जोड़ने का आह्वान किया था। मेरी इस बात पर ज़बरदस्त प्रतिक्रिया आई है। मोदी ने कहा मुझे उम्मीद है कि अब हमारे सामूहिक प्रयास से ऐसे युवा, जिनकी कोई राजनतिक पृष्ठभूमि नहीं है, वे भी राजनीति में आगे आ सकेंगे, उनका अनुभव, और उनका जोश, देश के काम आएगा।

युवा भारत देश की रीढ़ है, देश के युवाओं में परिवर्तनकारी शक्ति है। किसी भी देश की तरक्की में युवाओं का योगदान होता है। देश के भविष्य के रूप को बदलने के लिए युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्य की ओर निरंतर सकारात्मक प्रयास करने होंगे। युवा वर्ग ही देश में सामाजिक समरसता व सद्भावना का माहौल कायम रख सकता है। युवाओं में ऊर्जा सबसे अधिक होती है, केवल उस ऊर्जा को सही जगह लगाने की आवश्यकता है। युवा वर्ग अपने अधिकारों व लक्ष्य से परिचित होता है तो वह देश की दशा बदल सकता है। युवा देश का वर्तमान हैं, तो भूतकाल और भविष्य के सेतु भी हैं। राष्ट्र के निर्माण में युवाओं का अमूल्य योगदान है। युवा देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। युवा देश का वर्तमान हैं, तो भूतकाल और भविष्य के सेतु भी हैं। युवा देश और समाज के जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं।

स्वामी विवेकानंद सही अर्थों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व थे। विवेकानंद कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं से राजनीति में निस्वार्थ और रचनात्मक रूप से योगदान देने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति सार्थक परिवर्तन लाने का एक बड़ा माध्यम है और हर दूसरे क्षेत्र की तरह, राजनीति में भी युवाओं की उपस्थिति महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आश्वासन दिया कि आज, ईमानदार लोगों को सेवा करने का अवसर मिल रहा है, बेईमान गतिविधियों से सम्बंधित राजनीति की पुरानी धारणा बदल रही है। आज ईमानदारी और प्रदर्शन समय की जरूरत बन गए हैं।

देश में बेरोजगारी दर तेजी से बढ़ी है। उच्च मुद्रास्फीति पर काबू पाना और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करना सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आज सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को रोजगार देने व आत्मनिर्भर बनाने की है। आज का युवा अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है। शिक्षा, रोज़गार और बेहतर भविष्य के लिए आज का युवा जागरूक है और लड़ रहा है। युवा वर्ग महंगी फीस, कोचिंग और फॉर्म पर फॉर्म भरता है।

भर्तियों के दौरान पेपर लीक होना आम बात हो गई है। माँ-बाप अपनी ज़मीन जायदाद गिरवी रखकर अपने बच्चों को पढ़ाते हैं लेकिन अंत में उन्हें मिलती है बेरोज़गारी। ऐसे में युवा अवसाद की तरफ जाता है, जो एक बहुत बड़ी चुनौती है। युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है। आज सम्पूर्ण देश भ्रष्टाचार से आहत है। युवा ही देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति की राह दिखा सकता है। ऐसे में देश में युवा नेतृत्व की मांग बढ़ी है। युवा नेतृत्व को लेकर आज देशभर में व्यापक बहस छिड़ी है। युवा आबादी ही देश की तरक्की को रफ्तार प्रदान कर सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूनुस ने जन्माष्टमी पर हिंदुओं को बधाई दी, अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने का वादा किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को हिंदू समुदाय के नेताओं से मुलाकात की और जन्माष्टमी के अवसर पर उनके लिए एक स्वागत समारोह आयोजित करते हुए अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प जताया।

प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद कई दिनों तक हिंसा में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया तथा मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। अपनी सरकार के खिलाफ छात्रों के आंदोलन के बाद शेख हसीना पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे कर भारत चली गईं।

मुख्य सलाहकार कार्यालय ने यूनुस के हवाले से कहा, ''हमारे देश में लोगों के बीच कोई विभाजन नहीं हो सकता। हम समान नागरिक हैं। अंतरिम सरकार देश के हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।''

बयान के अनुसार, यूनुस ने उम्मीद जताई कि वह ऐसे बांग्लादेश का निर्माण करेंगे ''जहां हर कोई बिना किसी डर के अपने धर्म का पालन कर सके और जहां किसी मंदिर की सुरक्षा की जरूरत न हो।''

यूनुस के कार्यालय ने 'एक्स' पर उनके हवाले से कहा, ''बांग्लादेश एक बड़ा परिवार है, जहां सरकार की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करना है।''

बैठक के दौरान बांग्लादेश पूजा उदजापन परिषद के अध्यक्ष बशुदेब धर, ढाका के रामकृष्ण मिशन के प्रमुख स्वामी पूर्णात्मानंद महाराज और काजोल देबनाथ एवं मोनिंद्र कुमार नाथ सहित हिंदू समुदाय के नेता उपस्थित थे।

धर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने प्रोफेसर यूनुस से करीब एक घंटे तक बात की। उन्होंने कहा कि सभी बांग्लादेशी एक ही परिवार के सदस्य हैं। हम सांप्रदायिकता की किसी भी भावना को खत्म करेंगे।''

बयान में कहा गया है कि यूनुस ने देश के हिंदू समुदाय के नेताओं का अभिवादन किया और अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने का वादा किया।

मुख्य सलाहकार कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हिंदू नेताओं ने इस अवसर पर यूनुस को बधाई दी और कहा कि उन्होंने देश की सद्भावना और समृद्धि और अंतरिम सरकार के लिए भगवान श्रीकृष्ण से आशीर्वाद मांगा।

बयान में कहा गया है, ''हिंदू नेताओं ने पुराने ढाका स्थित ढाकेश्वरी मंदिर में मुख्य सलाहकार की हाल की टिप्पणियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में गैर-सांप्रदायिक समाज के निर्माण में मदद मिलेगी और समाज में धार्मिक सद्भाव सुनिश्चित होगा।''

इसके साथ ही, उन्होंने ''हिंदू मंदिरों की भूमि सहित हिंदुओं की संपत्ति हड़पने'' का मुद्दा भी उठाया।

यह स्वागत समारोह ऐसे समय में हुआ जब हिंदू समुदाय के लोगों ने प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर और अन्य मंदिरों एवं मठों में भजन, कीर्तन कर जन्माष्टमी मनाई। जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में बांग्लादेश में सार्वजनिक अवकाश है।

उत्सव

भोपाल में सोमवार को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान बरखेड़ी में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के अवसर पर एक मंदिर में समारोह में भाग लेते हुए

बंगबंधु से मूर्तिभंजन तक: बांग्लादेश में उथल-पुथल के बाद मुजीबुर्रहमान की विरासत पर विवाद

ढाका/भाषा। जब बांग्लादेश में जनता के विरोध के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिरी, तो कॉलेज के छात्र अलिफ हुसैन को लगा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इसकी हकदार थीं, लेकिन पांच अगस्त को प्रदर्शनकारियों द्वारा ढाका में शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को गिराए जाने से वह बहुत व्यथित हो गए।

ढाका में रहने वाले छात्र ने अफसोस जताते हुए कहा, यह बिल्कुल गलत था। उन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, वह राष्ट्रपिता हैं, हमारे बंगबंधु हैं, गुस्से में आकर उनका इतना अपमान कैसे किया जा सकता है।

उन्हें आमतौर पर रहमान या मुजीब के नाम से पुकारा जाता था। उनकी विरासत सड़कों, संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिए गए उनके जोशीले भाषणों, बांग्लादेशी मुद्रा पर उनके चेहरे और हाल तक मूर्तियों और भित्तिचित्रों के माध्यम से जीवित है।

अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों के कारण पिछली सरकार गिर गई और हसीना पांच अगस्त को राजनीतिक उथल-पुथल के बीच देश छोड़कर भारत चली गयीं।

उनके जाने के बाद, उन्हें और भी अधिक सार्वजनिक अपमान व आलोचना का सामना करना पड़ा और उनके पिता की विरासत भी सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आ गईं। प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मध्य में बिजॉय सरनी में रहमान की विशाल प्रतिमा पर अपना गुस्सा निकाला और उसे गिरा दिया। उनकी मूर्ति गिराये जाने की तस्वीरें स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया चैनलों पर प्रसारित की गयीं।

बंगबंधु - यह उपनाम बांग्लादेश के प्रथम राष्ट्रपति की विरासत का परिचायक है - को दर्शाने वाले सार्वजनिक भित्तिचित्रों को विकृत कर दिया गया, तथा धानमंडी में उनके घर को, जहां 15 अगस्त 1975 को उनकी और उनके परिवार के अधिकतर सदस्यों की हत्या कर दी गई थी और जिसे बाद में एक स्मारक में बदल दिया गया था, प्रदर्शनकारियों द्वारा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

ढाका विश्वविद्यालय क्षेत्र में, प्रसिद्ध शिक्षक छात्र केंद्र (टीएससी) की इमारत के सामने की ओर दीवार पर पैनलों की एक शृंखला में पुराने मोजेक लगे हैं, जिन पर महान हस्तियों और ऐतिहासिक पलों को दर्शाया गया है। इनमें 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना, जिसके परिणामस्वरूप नए राष्ट्र बांग्लादेश का जन्म हुआ, जैसे दृश्य उकेरे गए थे।

रहमान को दर्शाने वाले मोजेक पैनल को विकृत कर दिया गया है तथा उनके चेहरे पर कालिख पोत दी गई है।

ढाका विश्वविद्यालय परिसर में, बंगबंधु को दर्शाती एक दीवार पर बने विशाल भित्तिचित्र को क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा उस पर कालिख पोत दी गयी।

बांग्लादेश में हुईं गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए, बंटेंगे तो कटेंगे : आदित्यनाथ

आगरा/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचने के लिए लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि बांग्लादेश में हुईं गलतियां भारत में नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने आगरा में एक कार्यक्रम में कहा, ''राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी मजबूत होगा, जब हम सब एकजुट रहेंगे।'' उन्होंने आगाह करते हुए कहा, ''बंटेंगे तो कटेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वैसी गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए। एक रहेंगे- नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे।'' बांग्लादेश में, हाल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए हैं, जिस कारण प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़ना पड़ गया। हालांकि, इसके बाद भी पड़ोसी देश में हिंसा की घटनाएं जारी रहीं, जिनमें हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमले किये गए। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने भाषण का एक क्लिप 'एक्स' पर भी साझा किया। उन्होंने आगरा में दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद कहा, ''हमें विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है।'' राठौर जोधपुर रियासत के शासक महाराजा जसवंत सिंह के एक सेनापति थे, जिन्हें 17वीं शताब्दी में मारवाड़ पर मुगलों के कब्जे की कोशिशों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है।

प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि औरंगजेब ने धोखे से सिंह की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि राज्य में मनाए जा रहे 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के शताब्दी वर्ष और जन्माष्टमी के दिन प्रतिमा का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। आदित्यनाथ ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जिस देश में दुर्गादास राठौर जैसे महान नायक पैदा हुए हों, उस देश को कोई भी विदेशी आक्रमणकारी किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा सकता। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!'

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने इस वर्ष सीखी गई बातों की बनाई सूची

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने वर्ष 2024 में सीखी गई चीजों की एक सूची शेयर की है। सूची में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और परिवार के पालन-पोषण की बात कही है। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर छुट्टियों की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने कैप्शन में ट्विस्ट के साथ 2024 में सीखी गई बातें बताई हैं। उन्होंने लिखा, 2024 में मैंने जो सीखा है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आप केवल वही दे सकते हैं जो आपके पास है। अपने परिवार का पालन-पोषण करें, यह आपके मूल्यों की नींव है। एकमात्र व्यक्ति, जो आपके लिए अपना जीवन समर्पित करेगा, वह आपका साथी है, उसका सम्मान करें। उन्होंने आगे लिखा, माता-पिता तेजी से बूढ़े हो रहे हैं, जल्दी से जल्दी उनसे बहस करना छोड़ दें और उनके साथ अधिक समय बिताएं। कभी भी अपनी ऊर्जा यह साबित करने में खर्च न करें कि आप कितने प्रासंगिक हैं।

बता दें कि रुबीना ने 2018 में अपने लंबे समय के प्रेमी अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की। 2023 में इस जोड़े ने जुड़वां बेटियों को जन्म दयिा। उन्होंने बच्चियों का नाम जीवा और एधा रखा है। रुबीना ने छोटे पर्दे पर छोटी बहू से अपना करियर का शुरुआत की थी।

सुनील शेट्टी ने शुरू की 'हंटर 2' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सुनील शेट्टी अपनी आने वाली एक्शन थ्रिलर सीरीज 'हंटर 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर हंटर 2 की शूटिंग की एक झलक साझा की।सुनील शेट्टी ने निर्देशक प्रिंस धीमान की पोस्ट को फिर से साझा किया, जिसमें सीरीज़ का क्लैपबोर्ड था। एक्शन थ्रिलर हंटर के पहले सीज़न में सुनील शेट्टी ने ए.सी.पी. विक्रम सिन्हा की मुख्य भूमिका निभायी थी। इसके अलावा इस सीरीज में ईशा देओल, राहुल देव, बरखा बिष्ट, मिहिर आहूजा, टीना सिंह, चाहत तेजवानी, करणवीर शर्मा, सिद्धार्थ खेर, गार्गी सावंत और पवन चोपड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आठ भाग की हंटर सीरीज़ का निर्माण यूडली फिल्म्स ,सारेगामा इंडिया लिमिटेड के फिल्म डिवीजन द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा ने किया है। सुनील शेट्टी की आगामी परियोजना में 'द लीजेंड ऑफ सोमनाथ', 'वेलकम टू द जंगल',लायंसगेट और 'नंदा देवी' शो है। कहा जा रहा है कि 'नंदा देवी' एक 'विस्फोटक थ्रिलर' प्रोजेक्ट है।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का गीत 'सिंहासन खाली करो' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री-फिल्मकार कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी का गीत ' सिंहासन खाली करो' रिलीज हो गया है। कंगना रनौत की आगामी राजनीतिक ड्रामा 'इमरजेंसी' का पहला गीत 'सिंहासन खाली करो' रिलीज हो गया है। मूल रूप से महान कवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा लिखे गए प्रतिष्ठित गान 'सिंहासन खाली करो की जनता आती है' को पुनर्जीवित करते हुए, यह शक्तिशाली ट्रैक भारत के सबसे काले राजनीतिक समय की गूंज है। कंगना रनौत ने कहा, 1970 के दशक में भारत के लोगों ने एकजुट होकर 'सिंहासन खाली करो' के नारे के रूप में अपनी आवाज़ पाई, जो श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री पद के अत्याचार को चुनौती देता था। ये रामधारी सिंह दिनकर के शब्द थे, जिन्हें विद्रोह के कवि के रूप में जाना जाता है और ये जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के आह्वान बन गए। इस स्पष्ट आह्वान ने सत्ता की नींव हिला दी, इसके झटकों ने नई पार्टियों और विचारधाराओं को जन्म दिया। उस्ताद जी वी प्रकाश के साथ सहयोग करना अविश्वसनीय है, जिन्होंने इस गीत में इस क्रांति की भावनात्मक प्रतिध्वनि को पकड़ लिया है।

संगीतकार जी वी प्रकाश कुमार ने कहा,सिंहासन खाली करो' की रचना एक असाधारण यात्रा थी।इसे संगीत के माध्यम से जीवंत करना एक सम्मान की बात है। बेहद प्रतिभाशाली मनोज मुंतशिर के साथ काम करना एक सौभाग्य की बात थी।उदित नारायण, नक्श अज़ीज़ और नकुल अभ्यंकर की अविश्वसनीय गायन शक्ति तिकड़ी ने इस अनुभव को और भी यादगार बना दिया। साथ मिलकर, हमने एक ऐसा गीत बनाने का लक्ष्य रखा जो न केवल अतीत के संघर्षों को श्रद्धांजलि देता है बल्कि लोगों को उनकी शक्ति की याद भी दिलाता है। कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित, 'इमरजेंसी' में कंगना इंदिरा गांधी की मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फ़िल्म्स द्वारा निर्मित, फ़िल्म का संगीत संचित बलहारा और जी वी प्रकाश कुमार द्वारा रचित है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। यह फ़िल्म 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

प्रचार

मुंबई में सोमवार को अपनी फिल्म 'थंगालान' के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अभिनेता विक्रम, मालविका मोहनन।

करिश्मा कपूर को याद आए पुराने दिन, कहा- पहले शूटिंग के दौरान हम पेड़ों के पीछे कपड़े बदलते थे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री करिश्मा कपूर 'अंदाज अपना अपना', 'कुली नंबर 1' और 'राजा हिंदुस्तानी' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में पुरानी यादें ताजा करते हुए उन्होंने बताया कि जब उन्होंने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी तो अभिनेताओं के पास वैनिटी वैन नहीं होती थी। डांसिंग रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4' में जज के रूप में काम कर रही अभिनेत्री ने पिछले 40-50 वर्षों में फिल्म उद्योग में आए बदलावों के बारे में बात की। करिश्मा ने बताया, पहली फिल्म जिसमें मुझे मॉनिटर पर काम करने का मौका मिला, वह थी 'दिल तो पागल है'। यह डांस ऑफ एन्वी शॉट के दौरान था। यश जी (यश चोपड़ा) को यह मिला, और आदित्य चोपड़ा और उदय चोपड़ा भी सेट पर थे... 'और हम तो पागल हो गए थे'। हमने सोचा, 'सच में? हम देख सकते हैं कि हमने एक शॉट में क्या किया है। करिश्मा ने बताया कि उन्होंने 1991 में 16 साल की उम्र में 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ नवोदित हरीश कुमार थे। उन्होंने अपनी पहली सिंक-साउंड फिल्म 'जुबैदा' के बारे में भी बताया, जिसमें उन्होंने काम किया था।

निजी जिंदगी में बेहद संवेदनशील इंसान थे मुकेश

मुंबई/एजेन्सी

पुण्यतिथि पर विशेष

दर्द भरे नगमों के बेताज बादशाह मुकेश के गाये गीतो मे जहां संवेदनशीलता दिखाई देती है, वहीं निजी जिंदगी में भी वह बेहद संवेदनशील इंसान थे और दूसरों के दुख.दर्द को अपना समझकर उसे दूर करने का प्रयास करते थे। इस संबंध में एक वाकया है कि एक बार एक लडकी बीमार हो गई। उसने अपनी मां से कहा कि यदि मुकेश उन्हें कोई गाना गाकर सुनाएं तो वह ठीक हो सकती है। मां ने जवाब दिया कि मुकेश बहुत बड़े गायक हैं। भला उनके पास तुम्हारे लिए कहां समय है। यदि वह आते भी हैं तो इसके लिए काफी पैसे लेंगे। तब उसके डॉक्टर ने मुकेश को उस लडकी की बीमारी के बारे में बताया। मुकेश तुरंत लड़की से मिलने अस्पताल गए और उसके गाना गाकर सुनाया और इसके लिए उन्होंने कोई पैसा भी नहीं लिया। लड़की को खुश देखकर मुकेश ने कहा कि यह लड़की जितनी खुश है उससे ज्यादा खुशी मुझे मिली है।

मुकेश चंद माथुर का जन्म 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में हुआ था । उनके पिता लाला जोरावर चंद माथुर एक इंजीनियर थे और वह चाहते थे कि मुकेश उनके नक्शे कदम पर चलें, लेकिन वह अपने जमाने के प्रसिद्ध गायक अभिनेता कुंदनलाल सहगल के प्रशंसक थे और उन्हीं की तरह गायक अभिनेता बनने का ख्वाब देखा करते थे।मुकेश ने दसवीं तक पढ़ाई करने के बाद स्कूल छोड़ दिया और दिल्ली लोक निर्माण विभाग में सहायक सर्वेयर की नौकरी कर ली। जहां उन्होंने सात महीने तक काम किया। इसी दौरान अपनी बहन की शादी में गीत गाते समय उनके दूर के रिश्तेदार मशहूर अभिनेता मोतीलाल ने उनकी आवाज सुनी और प्रभावित होकर वह उन्हें 1940 में वह मुंबई ले आए और उन्हें अपने साथ रखकर पंडित जगन्नाथ प्रसाद से संगीत सिखाने का भी प्रबंध किया। इसी दौरान मुकेश को एक हिन्दी फिल्म ..निर्दोष (1941) में अभिनेता बनने का मौका मिल गया जिसमें उन्होंने अभिनेता-गायक के रूप में संगीतकार अशोक घोष के निर्देशन में अपना पहला गीत..दिल ही बुझा हुआ हो तो..भी गाया। हालांकि, यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह से नकार दी गयी। इसके बाद मुकेश ने दुख-सुख, आदाब अर्ज जैसी कुछ और फिल्मों में भी काम किया लेकिन पहचान बनाने में कामयाब नहीं हो सके।मोतीलाल प्रसिद्ध संगीतकार अनिल विश्वास के पास मुकेश को लेकर गये और उनसे अनुरोध किया कि वह अपनी फिल्म में मुकेश से कोई गीत गवाएं। वर्ष 1945 में प्रदर्शित फिल्म 'पहली नजर' में अनिल विश्वास के संगीत निर्देशन में .. दिल जलता है तो जलने दे..गीत के बाद मुकेश कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये।मुकेश ने इस गीत को सहगल की शैली में ही गाया था। सहगल ने जब यह गीत सुना तो उन्होंने कहा था..अजीब बात है ..मुझे याद नहीं आता कि मैंने कभी यह गीत गाया है। इसी गीत को सुनने के बाद सहगल ने मुकेश को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। सहगल की गायकी के अंदाज से प्रभावित रहने के कारण अपनी शुरूआती दौर की फिल्मों में मुकेश सहगल के अंदाज मे ही गीत गाया करते थे लेकिन वर्ष 1948 मे नौशाद के संगीत निर्देशन में फिल्म ..अंदाज.. के बाद मुकेश ने गायकी का अपना अलग अंदाज बनाया।

मुकेश के दिल में यह ख्वाहिश थी कि वह गायक के साथ साथ अभिनेता के रूप मे भी अपनी पहचान बनाये । बतौर अभिनेता वर्ष 1953 में प्रदर्शित माशूका और वर्ष 1956 में प्रदर्शित फिल्म अनुराग की विफलता के बाद उन्होने पुनः गाने की ओर ध्यान देना शुरू कर दिया ।इसके बाद वर्ष 1958 मे प्रदर्शित फिल्म यहूदी के गाने ..ये मेरा दीवानापन है .. की कामयाबी के बाद मुकेश को एक बार फिर से बतौर गायक अपनी पहचान मिली। इसके बाद मुकेश ने एक से बढ़कर एक गीत गाकर श्रोताओ को भाव विभोर कर दिया ।

मुकेश ने अपने तीन दशक के सिने कैरियर मे 200 से भी ज्यादा फिल्मों के लिये गीत गाये। गायक मुकेश को उनके गाये गीतो के लिये चार बार फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावे वर्ष 1974 मे प्रदर्शित ..रजनी गंधा .. के गाने ..कई बार यूहीं देखा.. के लिये मुकेश राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किये गये।राजकपूर की फिल्म ..सत्यम.शिवम.सुंदरम.. के गाने..चंचल निर्मल शीतल.. की रिकार्डिंग पूरी करने के बाद वह अमरीका में एक कंसर्ट में भाग लेने के लिए चले गए जहां 27 अगस्त 1976 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया ।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धन कमाने से व्यक्ति धनवान बनता है, वैसे ही गुणों को ग्रहण करने से गुणवान बनता है। यदि गुणों के आधार पर गुणवान को चुनते हैं तो विवाद नहीं होगा। हमें अच्छाई लेनी है और वैसी ही हमारे अंदर प्रमोद भावना होनी चाहिए। प्रमोद भावना हमारे अंदर रहे दोष को दूर करती है। गुण ग्रहण का भाव गुणवान को देखकर आए, तो समझना हम गुणग्राह्य है। गुणों को ग्रहण करने से हमारा जीवन पवित्र, उज्जवल, समृद्ध बनता है अन्यथा नकारात्मकताओं से भर देता है। दरिद्रता वह है, जिसके पास न गुण है, न गुणों को ग्रहण करने की तैयारी है। जो गुणों को ग्रहण करता है, वह प्रशंसनीय और साधुवाद का पात्र है।

धर्म साधना में सहयोगी बनने से अंतराय कर्म टूटते हैं : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने जन्माष्टमी के अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण भारतीय साहित्य का एक आकर्षण है। उन्होंने बताया कि कृष्ण का मतलब होता है जो आकृष्ट करते हैं, जिसमें आकृष्ट करते का सामर्थ्य है। उनके कारण श्याम वर्ण को एक चमक मिली। आज हमने गलत धारणा बिठा ली है। व्यक्ति बाहर के रंगों को फेयर देखना चाहता है। उन्होंने कहा सांवला रंग सौंदर्य का प्रतीक माना गया है। जो सौंदर्य के उपासक हैं, उन्होंने श्याम वर्ण को उत्कृष्ट माना है। कृष्ण का स्वरूप बच्चे के रूप में सूरदास को आकर्षित कर देता है। बचपन का सौंदर्य माखन चोर था। भारतीय काव्यों में कहा गया है कि वे माखन चोर यानी संतों के हृदय को आकर्षित करने वाले थे।

उन्होंने कहा उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णन आता है कि वासुदेव श्रीकृष्ण अरिष्ट नेमी के दर्शन, वंदन करने समवसरण में जाते हैं। कुछ पृच्छा करते हैं। वे कृष्ण के स्वरूप भावी तीर्थंकर है। कृष्ण को बांसुरी अति प्रिय थी। बांसुरी में जब हवा भरते हैं, तब ही आवाज करती है। बांसुरी में कोई भेदभाव नहीं है। वैसे ही श्रीकृष्ण किसी में भेदभाव नहीं करते। उनका माखन चोर का स्वरूप अत्याचारियों से बचाने वाला था। उन्होंने कहा अत्याचार करने वाला ही दोषी नहीं होता, अत्याचार का मूक दर्शन करने वाला भी अत्याचारी है। यदि कृष्ण को भारतीय संस्कृति, व्यवस्था पूर्ण रूप से समय देती है तो कई सकारात्मक चीजें उभरकर आती है। भगवदगीता कृष्ण के नाम से है। उनके हाथ में सुदर्शन चक्र था। सुदर्शन का अर्थ सम्यक दर्शन है।

युवाचार्य ने कहा कि श्रीकृष्ण शांतिप्रिय थे, युद्ध प्रिय नहीं। वे लड़ाई के पक्षधर नहीं थे। हम सोचते हैं कोई बात में उलझकर समाधान कर लेंगे लेकिन वह समाधान नहीं है। व्यक्ति सोचता है लड़ाई करके जीत हासिल कर लूंगा लेकिन दोनों पक्ष नहीं जीत सकते। श्रीकृष्ण ने यह समझाया कि लड़ाई समाधान नहीं है। वे शान्तिप्रिय थे, इसलिए शान्ति दूत बने। वे धर्म में सहयोगी थे, अनुमोदना की और इतनी जबर्दस्त रुप से अंतराय को तोड़ा कि तीर्थंकर नाम कर्म को निकाचित कर दिया। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि आप भी धर्म साधना के सहयोगी बनो, अनुमोदना करो। आपके अंतराय कर्म आज नहीं, तो भविष्य में टूट जाएंगे। जिनके पास भोग, ऐश्वर्य मौजूद था, वे तीर्थंकर बनेंगे। श्रीकृष्ण ने प्रत्येक कला, सामर्थ्य का उपयोग जन हितार्थ किया। यदि हम उनका गुणगान करते हैं तो उनके गुणों को आत्मसात भी करो।

उन्होंने कहा श्रीकृष्ण व्यक्ति नहीं, शक्ति है, जो सौंदर्य, माधुर्य से परिपूर्ण है। उनका व्यक्तित्व व्यापक था कि वे संगीत के प्रेमी थे। वे शौर्य पुरुष, वीर योद्धा के रूप में थे। इस दौरान तप-त्याग की मटकी आयोजित की गई, जिसमें विशेष मक्खन रुपी पर्चियां वितरित हुई। उन पर्चियों में विभिन्न शुभ कार्यों की प्रेरणा दी गई। बच्चों को कृष्ण परिवेश में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में पुरस्कृत किया गया। संगीता दिनेश दरड़ा, विमलाबाई सिंघवी समेत कई तपस्यार्थियों ने प्रत्याख्यान ग्रहण किए। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने जन्माष्टमी कार्यक्रम को सफल बनाने में शामिल महिला महासंघ की सदस्याओं एवं जजों का आभार जताया। सोमवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी नरेन्द्र रोशन बोथरा परिवार थे।

खेल दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को पंजाब एसोसिएशन के अंतर्गत संचालित एमजीआर आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल में खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस रिजवाना उपस्थित थी। खेल कमेटी के अध्यक्ष अनिल चोपड़ा ने बताया कि स्कूल द्वारा खेल कार्यक्रमों का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मार्च पास्ट की सलामी के साथ प्रारंभ हुआ तत्पश्चात बच्चों द्वारा अनेक खेल प्रतियोगिताओं का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर पंजाब एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर विक्रम अग्रवाल सचिव रमेश लांबा, अजय भल्ला संजय चोपड़ा, प्रवीण के मेहरा, संजय लांबा ,अमित भल्ला सहित संगठन के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्कूलों कॉलेजों के प्रधानाचार्य शिक्षक गण तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट मे स्थित बादलचंद सायरचंद चोरडिया जैन विद्यालय में जन्माष्टमी का पर्व बडे धूमधाम से मनाया गया। कक्षा एलकेजी से पांचवी के विद्यार्थियों ने राधा कृष्ण की वेशभूषा धारण करके सबका मन मोह लिया। बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मक्खन हांडी का आयोजन किया गया। विद्यालय के पत्राचारक एस अजय कुमार चोरडिया सचिव ए. सुमेरचंद चोरडिया प्रधानाध्यापिका मालिनी, अभिभावक ओर शिक्षकगण की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन हुआ।

मदुरै में ज्ञानशाला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ सभा के तत्वावधान में 25 अगस्त को सभा भवन में ज्ञानशाला दिवस मनाया गया। मंगलाचरण ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियो ने किया।

मदुरै ज्ञानशाला के प्रभारी उपासक धनराज लोढ़ा ने सभी का स्वागत करते हुए ज्ञानशाला दिवस पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रवक्ता उपासक श्री नैनमल कोठारी ने बच्चो को कर्मों पर कहानी बताकर कर्मों को समझाया। तेरापंथ सभा के मंत्री अभिषेक कुमार कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक कुमार जीरावला, तेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष अमृतलाल चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा लता कोठारी एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिका आदि ने ज्ञानार्थियों को नियमित रूप से ज्ञानशाला आने की प्रेरणा दी और अपने भाव व्यक्त किए।

सभी ज्ञानार्थियो ने रोमांचक प्रोग्राम की प्रस्तुति दी। जिसमें नुक्कड़ नाटक, मोबाइल के आने से हमारी जिंदगी में क्या चेंज हुआ, डांस और कॉमेडी नाटक ,गुरु की क्या भूमिका होती उस पर डांस, बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। सभी प्रशिक्षिकाओं बबिता लोढ़ा, लता कोठारी, सुनीता कोठारी, दीपिका फलफुगर, मधु जीरावला, मधु पारख, संतोष बोकड़िया का संपूर्ण कार्यक्रम में भरपूर सहयोग रहा। ज्ञानशाला के 29 बच्चे और 7 प्रशिक्षिकाओ कि उपस्थिति रही।

प्रशिक्षिका मधु जीरावला ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। , एसएसबी, आगम मंथन के सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन ज्ञानशाला सयोजिका बबिता लोढ़ा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन ज्ञानशाला प्रभारी धनराज लोढ़ा ने किया। तेरापंथ सभा की ओर से सभा के सदस्यों ने बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।

'राजस्थानी ओलंपियाड' का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा द्वितीय राजस्थानी ओलंपियाड 2024 का समापन 25 अगस्त को पेरियामेट के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के मैदान में सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इसके समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग के मंगतराम शर्मा, सदस्य सचिव जे.मेघनाथ रेड्डी ने समापन समारोह में कार्यक्रम की शोभा बढाई।

डॉ निर्मल नाहटा ने ओलिंपिक मशाल को लेकर रजत के सभी सदस्यों के सहयोग से आगे बढ़ाया और अंत में अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने मशाल जलाई। जी के जैन विद्यालय के विद्यार्थीयों ने बेंड बाजे के साथ मार्च पास्ट में भाग लिया। तत्पश्चात राजस्थानी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने किया। महासचिव हेमन्त दुगड़ ने रजत की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। ओलम्पियाड चेयरमैन अशोक मुन्दडा ने कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। कन्वेनर अजय नाहर ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, भरत नाट्यम, सीलम्बरसन, योगा, व माइम की प्रस्तुति दी। 4 साल से लेकर 70 वर्ष तक के सभी ने एथलेटिक्स और ट्रैक फील्ड खेलों में भाग लिया ।

करीब 40 राजस्थानी समाज द्वारा संचालित विद्यालयों, 32 करीब राजस्थानी संस्थाओं के 1200 से भी अधिक विद्यार्थी इसमें भाग लिया। इस अवसर पर में विभिन्न एथलेटिक्स प्रतियोगिता जैसे रनिंग रेस, रिले रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, गोला भाला थ्रो, आदि का आयोजन किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में दिनमलर तमिल पत्रिका के प्रमुख एवं विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष आरआर गोपाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी अन्वेषा रेड्डी ने विजेताओं को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए।

'मैं एक शिक्षक हूँ, मैं भविष्य को आकार देता हूँ' कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शिक्षण संबंधी समस्याओं का समाधान करने एवं शिक्षण की विशिष्ट क्षमताओं का विकास करने के उद्देश्य से अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय था 'मैं एक शिक्षक हूँ, मैं भविष्य को आकार देता हूँ।' कार्यशाला की शुरुआत ईश्वर वंदना से की गई। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि लाइफ स्कूल पुणे के संस्थापक नरेन्द्र गोइदानी एवं विशिष्ट अतिथि पाठशाला के निर्देशक डॉ. जी. गौतम ने अपना बहुमूल्य समय देकर सभी शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

राजस्थानी एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण टाटीया ने अपने भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के सचिव तथा संवाददाता मुरारीलाल सोंथालिया, जयगोपाल गरोडिया के प्रबंध न्यासी अशोक केडिया एवं कोला सरस्वती के संवाददाता के.के. माहेश्वरी ने शॉल, स्मृति चिन्ह तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

इस कार्यशाला में सिर्फ अग्रवाल विद्यालय के शिक्षकगण ही नहीं, अपितु शहर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से लगभग 350 सदस्यों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि में बड़े ही सरल एवं रोचक उदाहरण देते हुए सभी के प्रश्नों का समाधान किया और कहा कि शिक्षकगण छात्रों के नैतिक मूल्य और संस्कारों पर अधिक ध्यान दें ना कि पाठ्यक्रम पर। इस कार्यशाला में विद्यालय की संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, प्रधानाचार्या विजयालक्ष्मी, वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव तथा समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन व्यवस्थापक अनिल खींचा ने दिया।

दान के बिना हाथ और धर्म के बिना जीवन व्यर्थ : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दानदाताओं को देवता भी नमन करते हैं, क्योंकि वे अत्यंत ही समृद्ध और शक्तिशाली होने के बावजूद दान नही कर सकते हैं, केवल मनुष्य ही दान देने में समर्थ है। सोमवार को साहुकारपेट स्थित जैन भवन में साध्वी राजमती जी ने कहा कि दान के बिना हाथ और धर्म के बिना जीवन अपूर्ण हैं। साध्वीजी ने अपने जन्मोत्सव पर संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और शुभकामनाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि भगवान कृष्ण के मामा कन्स द्वारा अनेक अत्याचारों के बावजूद माता यशोदा के त्याग और अपनी पुत्री के बलिदान के बाद भगवान कृष्ण ने मानवता की सेवा के लिए अवतार लेकर दुनिया में दुष्टों का विनाश किया, और धर्म की स्थापना की। उन्होंने एक अन्य संदर्भ में कहा कि से तीन व्यक्तियों से दूर रहना चाहिए जो कि बार बार नमन करते हो, अनावश्यक विनम्रता का ढोंग करते हैं और सफेदपोश होकर पापों में लिप्त रहते हैं।

साध्वी राजमतीजी म. सा. के 57 वे जन्मोत्सव पर बादल चन्द चौरडिया ट्रस्ट द्वारा 57 बैग अनाज पशुओं के लिए वितरण की घोषणा की गई। साथ ही धर्मसभा मे उपस्थित सैकड़ों लोगों ने जीवदया मे योगदान दिया। कृष्ण जन्मोत्सव पर उतम चन्द चौरडिया ने भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप धारण कर सभी लोगों का मन मोह लिया। धर्मसभा का संचालन संजय पिन्चा ने किया।

टाड़गढ़ भेरुजी की भजन संध्या में बही भक्ति की रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेवाड जैन मित्र मंडल द्वारा काला गोरा भैरव पावन धाम टाडगढ़ के मुख्य उपासक विद्याप्रकाश एवं कपिल पडियार के सान्निध्य में प्रिंसेस गोल्फ में आयोजित 'एक शाम टाड़गढ़ भेरुजी के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर देव प्रतिमाओं को विशेष श्रृंगार किया गया।

भैरव भक्ति में भजन गायक गोकुल शर्मा एवं त्रिशा सुथार ने देर रात तक एक से एक बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर श्रदालुओं को भावविभोर कर दिया। मुख्य प्रायोजक कैलाशचंद गौतम दलाल परिवार की ओर से मुख्य उपासक विद्याप्रकाश व कपिल पडियार का सम्मान किया गया। प्रवीण दक ने बताया कि मुख्य अतिथि विधायक लादूलाल पितलिया, ओसवाल सजानन संघ मदरिया के अध्यक्ष ललित मांडोत, भैरव धाम मंदिर के निर्माण समिति अध्यक्ष राजेंद्र सेठिया, महेन्द्र मुणोत आदि अन्य गणमान्य अतिथियों का सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम के प्रसादी लाभार्थी रोशनलाल दिनेशकुमार पोखरना रहे। मित्र मंडल से सुनील बाबेल, प्रवीण दक ,अमृत दलाल ,भीकम भटेवरा,कैलाश दलाल, संदीप बागरेचा,सचिन मांडोत, महावीर पितलिया, हर्ष कटारिया, पिंटू देसरला, पंकज मांडोत, बंटू पिचोलिया,हेमंत मेहता, जीतू गन्ना आदि ने व्यवस्था संभाली। मंच संचालन गौतम मांडोत ने किया। संयोजक रोहित मेहता ने धन्यवाद दिया।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में ज्ञानशाला दिवस एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में ज्ञानशाला दिवस एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में मनाया गया । साध्वी श्री उदितयशाजी ने कहा कि ज्ञानशाला दिवस पूरे भारत एवं विदेशों में भी एक साथ मनाया जाता है। ज्ञानशाला ही वह माध्यम है जिससे बच्चों में संस्कार पल्लवित और पुष्पित होते हैं अतः अभिभावक यह ध्यान दें बच्चों को अन्य जगह ना भेज कर ज्ञानशाला भेजें, जिससे बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण हो सके। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने भी अभिभावकों से यह आह्वान किया की वे ज्ञानशाला को प्राथमिकता दे। 'आओ ज्ञानशाला' गीत पर बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुति दी गई एवं बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस के माध्यम से ऐतिहासिक दृश्य बताए गए।

दूसरे सत्र में बच्चों द्वारा रैली का आयोजन हुआ। तीसरे सत्र में 130 बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसका विषय तेरापंथ संबंधित विभिन्न प्रकार के चिन्ह थे।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने बच्चों को सचित-अचित की जानकारी दी। साध्वी श्री संगीतप्रभाजी ने बच्चों से गोचरी संबंधी प्रश्न पूछे, साध्वी श्री भव्ययशाजी ने सामान्य ज्ञान, विभिन्न प्रकार की मुद्रा,आसन की जानकारी एवं कहानी के माध्यम से सच्ची घटना बताई। आंचलिक संयोजक माणक संचेती ने ज्ञानशाला संबंधी अपने विचार प्रस्तुत किए। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महासभा कार्यकारिणी सदस्य प्रकाशलोढा, मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में 300 बच्चों व 80 प्रशिक्षिका उपस्थित थे। जोन संयोजिका बबीता चोपड़ा, चेतना वेदमुथा, पवनबाई संचेती, सह संयोजिका अनीता नाहर, पदमा चोपड़ा,सुनीता कोठारी, टीना मांडोत एवं सभी प्रशिक्षिकाका सहयोग रहा । सभी विजेता बच्चों को सभा द्वारा पुरस्कृत किया गया परिषद ने संयोजक हितेश चोपड़ा ने धन्यवाद दिया। संचालन नीता गादिया ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.